■ ज्येष्ठ कृष्णा - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 292 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 22-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तान में लोकप्रियता पाने के लिए सरकार के प्रयासों को कमतर आंक रहे कांग्रेस नेता
6 अवैध प्रवासियों को सर्वोच्च न्यायालय की सीधी नसीहत
7 पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते : पायल घोष

फर्स्ट टेक

'आईएनएसवी कौंडिन्य' नौसेना बेड़े में शामिल

कारवार (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय नौसेना ने पारंपरिक विधि का इस्तेमाल कर निर्मित किए गए 'आईएनएसवी कौंडिन्य' नामक जहाज को बुधवार को कर्नाटक में कारवार नौसैनिक प्रतिष्ठान में आयोजित एक समारोह के दौरान बेड़े में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि यह पांचवीं शताब्दी के जहाज पर आधारित है और इसका नाम 'कौंडिन्य' के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर को पार करके दक्षिण पूर्व एशिया तक यात्रा करने वाले एक महान भारतीय नाविक थे। उन्होंने कहा कि यह जहाज समुद्री अन्वेषण, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भारत की दीर्घकालिक परंपराओं का एक मूर्त प्रतीक है तथा देश की समृद्ध जहाज निर्माण विरासत के जश्न से जुड़ी असाधारण परियोजना के पूर्ण होने का भी प्रतीक है।

नेपाल ने भारत को बिजली का निर्यात शुरू किया

काठमांडू/भाषा। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) ने बारिश में उत्पादन में वृद्धि के कारण भारत को वास्तविक समय पर आधारित बाजार मूल्य पर बिजली का निर्यात शुरू कर दिया है। प्राधिकरण के प्रवक्ता राजभाई शिल्पकार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एनईए ने शनिवार से भारत को प्रतिदिन 150 मेगावाट से 200 मेगावाट के बीच बिजली निर्यात शुरू किया है। शिल्पकार ने कहा, ''हमने पिछले पांच दिन से भारत को बिजली बेचना शुरू कर दिया है क्योंकि हमारी नदियों में जलस्तर बढ़ने के कारण जलविद्युत संयंत्रों का उत्पादन बढ़ गया है।''

हम यूरेनियम संवर्द्धन कभी बंद नहीं करेंगे : ईरान

तेहरान/एपी। ईरान के शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को इस बात पर बल दिया कि तेहरान कभी भी यूरेनियम का संवर्द्धन बंद नहीं करेगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची की यह टिप्पणी दोनों देशों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद आई है जिसमें संभावित समझौते के विवरण पर विशेषज्ञ स्तर पर बातचीत भी शामिल है। हालांकि, अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पश्चिम एशिया राजदूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान को संवर्द्धन बंद करना होगा, जिसे उसने कई बड़े देशों के साथ 2015 में हुए परमाणु करार के तहत नहीं किया था। सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अरागची ने कहा, ''मैंने पहले भी कहा है और मैं इसे फिर से दोहराता हूं: ईरान में यूरेनियम संवर्द्धन जारी रहेगा- समझौते के साथ या बिना समझौते के।''

सूर्यास्त 22-05-2025	सूर्योदय 23-05-2025
6:29 बजे	5:41 बजे

BSE	NSE
81,596.63	24,813.45
(+410.20)	(+129.55)

सोना	चांदी
9,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,000 रु. प्रति किलो

छत्तीसगढ मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मुठभेड़ के दौरान एक जवान शहीद हो गया और एक अन्य घायल हो गया है।

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के चार विभिन्न जिलों के सुरक्षा बलों के जवानों ने बुधवार को हुई मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया और कई अन्य घायल हुये हैं। मुठभेड़ के दौरान एक जवान शहीद हो गया और एक अन्य घायल हो गया है। इस मुठभेड़ में कई बड़े नक्सली लीडर या तो फंसे हुए हैं या फिर मारे गये हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के माड़ डिवीजन में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर और डीआरजी कोंडागांव के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया।

■ इस मुठभेड़ में कई बड़े नक्सली लीडर या तो फंसे हुए हैं या फिर मारे गए हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, ने बताया कि नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा सीमावर्ती इलाके में बड़ा ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबलों को प्राप्त जानकारी के आधार पर ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। इसमें जवानों को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अब तक 27 नक्सली मारे जाने की सूचना मिली है। वहीं इस ऑपरेशन में रूपेश से भी बड़े कमांडर फंसे हुए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसके साथ ही गृहमंत्री ने यह भी जानकारी दी है कि मुठभेड़ में एक जवान शहीद और कुछ जवान घायल भी हुए हैं।

मारे गए सभी माओवादियों के शव जवानों के द्वारा बरामद कर लिए गए हैं। इस मामले की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने की है। सुंदरराज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़ इलाके में आज सुरक्षाबल के जवानों और माओवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है।

इस मुठभेड़ में जवानों ने 27 माओवादियों को मार गिराया है। मुठभेड़ के बाद जवानों ने घटनास्थल से मारे गए सभी 27 माओवादियों के शवों को भी बरामद कर लिया है।

सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए छत्तीसगढ में एक मुठभेड़ में 27 नक्सिलयों का खात्मा करने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है। मोदी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक्स पर एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए हमें अपने बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईपीएस एम ए सलीम कर्नाटक के नए डीजीपी नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एम ए सलीम को बुधवार को आलोक मोहन की सेवानिवृत्ति के बाद कर्नाटक का पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक नियुक्त किया गया। अधिकारियों के अनुसार, मोहन 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे। हालांकि, उनका कार्यकाल 21 मई तक बढ़ा दिया गया था।

आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया, ''आईपीएस एम ए सलीम, पुलिस महानिदेशक, आपराधिक जांच विभाग, विशेष इकाइयां और आर्थिक अपराध, बेंगलुरु को 21 मई की दोपहर से अगले आदेश तक कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक (एचओपीएफ) का प्रभार सौंपा गया है।'' इसमें कहा गया कि 1987 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी मोहन 21 मई को कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक (एचओपीएफ) पद से सेवानिवृत्त हो गए। वह मई 2023 से पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक के पद पर तैनात थे।

रेल पटरियों के समीप

सूटकेस के अंदर अज्ञात महिला का शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके चंदापुरा में बुधवार को रेलवे पटरियों के पास एक सूटकेस के अंदर अज्ञात महिला का शव मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि शव पर किसी चोट का निशान नजर नहीं आया। उसने बताया कि यह शव एक नीले सूटकेस में था।

प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला की उम्र कम से कम 18 साल या उससे अधिक होने का अनुमान है लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारी का कहना है कि संभव है कि उसकी हत्या कहीं और की गई हो। ऐसा जान पड़ता है कि हत्या के बाद आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने के इरादे से सूटकेस में डाल दिया।

अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से ऐसा लगता है कि शव वाला सूटकेस चलती ट्रेन से फेंका गया है। एक राहगीर ने लावारिस सूटकेस देखा और उसने पुलिस को इसकी सूचना दी।

अधिकारी ने कहा, ''चूंकि शव पर चोट का कोई निशान नहीं है, इसलिए हमें संदेह है कि या तो उसकी गला घोंटकर हत्या की गई होगी... पोस्टमार्टम के बाद ही उसकी मौत के सही कारण का पता लग सकेगा।''

बेंगलूरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सीके बाबा ने कहा, ''हमने अपनी जांच शुरु कर दी है और सूर्यनगर थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि सूटकेस को चलती ट्रेन से फेंका गया होगा। सूटकेस में केवल शव था - कोई पहचान पत्र या व्यक्तिगत सामान नहीं मिला। हम मामले की गहन जांच जारी रखेंगे।''

तमिलनाडु सरकार को कुलपति नियुक्त करने की शक्ति प्रदान करने वाले प्रावधान पर अदालत का स्थगन

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को उस विशिष्ट प्रावधान पर अंतरिम रोक लगा दी, जो तमिलनाडु सरकार को राज्य संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त करने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मी नारायणन की खंडपीठ ने राज्य सरकार के कड़े विरोध के बीच यह स्थगन आदेश दिया। एक वकील इस मामले में याचिकाकर्ता है जो भाजपा का कार्यकर्ता भी है। जिस अधिनियम के प्रावधान पर यह स्थगन लगाया गया है, वह मूल रूप से उन विधेयकों में से है, जिन्हें तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु राज्यपाल मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत मान लिया गया था।

भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक और अधिकारी को निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को जासूसी के आरोप में निष्कासित कर दिया, एक हफ्ते में यह दूसरा ऐसा निष्कासन है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मी को उसके आधिकारिक दायित्व से इतर गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण 'अवांछित व्यक्ति' घोषित किया गया है और उसे 24 घंटे में भारत छोड़ने को कहा गया है।

उसने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी साद वारिच को इस मुद्दे पर आपत्तिपत्र या औपचारिक विरोध पत्र जारी किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि उच्चायोग के प्रभारी से 'सख्ती से' यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों का दुरुपयोग न करे।

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीपीईसी को अफगानिस्तान तक बढ़ाने पर सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/बीजिंग/भाषा। चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने बुधवार को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की।

पाकिस्तान की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सीपीईसी से संबंधित घोषणा पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इसहाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बीच बीजिंग में एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक के बाद की गई।

भारत सीपीईसी की कड़ी आलोचना करता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। वह चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का भी विरोध करता है क्योंकि इस परियोजना में सीपीईसी शामिल है।

यह त्रिपक्षीय बैठक अंतरिम तालिबान सरकार द्वारा हाल ही में भारत के प्रति दोस्ताना रुख दिखाए जाने के कुछ दिन बाद हुई है।

तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान लगातार अंतरिम तालिबान सरकार की आलोचना कर रहा है और कह रहा है कि वह अफगानिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी समूहों पर कार्रवाई करने में विफल रही है जो पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में इस बैठक को ''अनौपचारिक'' करार दिया। त्रिपक्षीय बैठक पर चीनी विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में वांग के हवाले से कहा गया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में चीन उनका समर्थन करता है।

■ भारत सीपीईसी की कड़ी आलोचना करता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। वह चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का भी विरोध करता है क्योंकि इस परियोजना में सीपीईसी शामिल है।

इसमें कहा गया कि तीनों पक्षों को 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के संयुक्त निर्माण में सहयोग को गहरा करना चाहिए, अफगानिस्तान तक चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के विस्तार को बढ़ावा देना चाहिए तथा क्षेत्रीय अंतर्संबंध नेटवर्क के निर्माण को मजबूत करना चाहिए।

भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को एक महीने और बंद रखेगा पाकिस्तान : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को एक महीने और बंद रखने का फैसला किया है। बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली द्वारा उठाए गए कदमों के बाद पाकिस्तान ने पिछले महीने भारत के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह प्रतिबंध 23 मई तक एक महीने के लिए लगाया गया था, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के नियमों के अनुसार हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध एक बार में एक महीने से अधिक अवधि के लिए नहीं लगाया जा सकता है। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रतिबंध को बढ़ाने का निर्णय बुधवार या बृहस्पतिवार को घोषित किये जाने की उम्मीद है।

पांच राज्यों व बांग्लादेश में

34,000 निवेशकों को ठगने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने चिटफंड के जरिए पांच राज्यों और बांग्लादेश में करीब 34,000 लोगों को ठगने के आरोप में कोलकाता से एक महिला और उसकी बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा से जुड़ी आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार को सॉल्ट लेक से द्विपिका भंजो और उसकी बेटी तंद्रा भंजो को गिरफ्तार किया और ट्रांजिट रिमांड पर भुवनेश्वर ले कर आई।

इस मामले में द्वीपिका के पति तुषार भंजो को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में है।

ईओडब्ल्यू ने भुवनेश्वर स्थित एक निवेशक की शिकायत मिलने के बाद पिछले साल 28 मई को हरित कृषि निधि लिमिटेड और ट्रांसविजन ड्रीम मल्टी ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड तथा दोनों कंपनियों के निदेशक तुषार के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीमा प्रभाव

सीमाओं पर जब भी समझो,
होते हैं सैनिक बहुत क्रुद्ध।
सोशल मीडिया पर जग जाते,
अनगिनत बली होकर प्रबुद्ध।
बाजार देखते हानि-लाभ,
जनता चिंतित होती विशुद्ध।
देशों के अपने समीकरण,
सब के निज स्तर पर कई युद्ध।।

वक्फ एक इस्लामी अवधारणा, पर यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

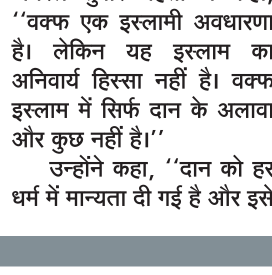

■ अपनी दलील पेश करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, "वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है। लेकिन यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। वक्फ इस्लाम में सिर्फ दान के अलावा और कुछ नहीं है।"

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए कहा कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, पर यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह के समक्ष अपनी दलील पेश करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ''वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है। लेकिन यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। वक्फ इस्लाम में सिर्फ दान के अलावा और कुछ नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''दान को हर धर्म में मान्यता दी गई है और इसे किसी भी धर्म का अनिवार्य सिद्धांत नहीं माना जा सकता।'' इससे पहले, दिन में मेहता ने कहा कि कोई भी व्यक्ति 'वक्फ बाई यूजर' सिद्धांत का उपयोग करके सार्वजनिक भूमि पर अधिकार का दावा नहीं कर सकता, जो एक वैधानिक अधिकार है और कानून इसे छीन सकता है।

'वक्फ बाई यूजर' का आशय एक ऐसी अवधारणा से है जिसके तहत बिना दस्तावेज के किसी संपत्ति को धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है। मेहता ने कहा कि 'वक्फ बाई यूजर' की अवधारणा राज्य द्वारा 'वक्फ संपत्तियों के समग्र अधिग्रहण' की अनुमति नहीं देती है, जैसा कि आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा, ''यह ('वक्फ बाई यूजर') कोई मौलिक अधिकार नहीं है, यह कानून का एक हिस्सा है और जो विधायिका इसे बनाती है, वह उसे वापस भी ले सकती है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र 14 करोड़ नागरिकों की संपत्तियों का संरक्षक है और किसी का भी सरकारी जमीन पर अधिकार नहीं है।''

मेहता ने कहा, ''किसी को भी सरकारी जमीन पर दावे का अधिकार नहीं है। उच्चतम न्यायालय का एक फैसला है, जिसमें कहा गया है कि अगर संपत्ति सरकार की है और उसे वक्फ घोषित किया गया है, तो सरकार उसे बचा सकती है।''

शुरुआत में, शीर्ष विधि अधिकारी मेहता ने कहा कि किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत का रुख नहीं किया है और ''किसी ने इस तरह का मामला नहीं रखा है कि संसद के पास इस कानून को पारित करने की क्षमता नहीं है।'' उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट और इस तथ्य का हवाला दिया कि अधिनियम के अस्तित्व में आने से पहले कई राज्य सरकारों और राज्य वक्फ बोर्डों से परामर्श किया गया था।

इस दलील पर कि जिलाधिकारी या उससे ऊपर का कोई अधिकारी कथित वक्फ संपत्तियों पर दावे से जुड़े विवाद पर फैसला कर सकता है, उन्होंने कहा कि अधिकारी अंतिम रूप से संपत्ति के स्वामित्व का निर्धारण नहीं करेगा।

भारतीय संविधान की खूबसूरती यह है कि खेतिहर मजदूर भी मुख्य न्यायाधीश बन सकता हैः न्यायमूर्ति कैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने कहा है कि भारतीय संविधान की खूबसूरती है कि खेतिहर मजदूर के रूप में जीवन की शुरुआत करने वाले व्यक्ति भी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण के कारण ही किसान परिवार का कोई व्यक्ति और पूर्व राष्ट्रपति का बेटा एक ही दिन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ले सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को अपने विदाई भाषण में कहा कि अंबेडकर ने देश में सभी के लिए समानता सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, ''भारतीय संविधान की खूबसूरती यह है कि किसान परिवार के एक व्यक्ति ने मजदूर के रूप में जीवन की शुरुआत की। उस व्यक्ति और पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के परिवार से आने वाले न्यायमूर्ति बदर दुरेज़ अहमद ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कारण एक ही दिन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।''

मुख्य न्यायाधीश कैत मंगलवार को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में नौ महीने की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने कहा कि जिस गांव में उन्होंने पढ़ाई की,

गूगल पर खोजने पर उसका नाम ऑस्ट्रेलिया में दिखाई देता है।

न्यायमूर्ति कैत ने कहा कि उनके गांव में आठ तालाब और एक नहर है और उन्होंने अपने स्कूल में कक्षा 10 तक एक पेड़ के नीचे पढ़ाई की, जहां कक्षाएं कम थीं। उन्होंने कहा कि यह उनके परिवार के लिए गर्व की बात थी जब उन्हें दिल्ली सेंट्रल लॉ यूनिवर्सिटी में दाखिला मिला। न्यायाधीश कैत ने दिल्ली की एक अदालत में वकील वतन सिंह के मार्गदर्शन में वकालत शुरू की थी।

उन्होंने उच्च न्यायालय में तत्कालीन सांसद रामनाथ कोविंद के पेश होने को भी याद किया। उन्होंने अपने जीवन को खुली किताब बताया। न्यायमूर्ति कैत ने कहा कि मध्यप्रदेश आने से पहले वह उच्च न्यायालय में नियुक्त सिर्फ तीन न्यायाधीशों को जानते थे। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के कुल पदों की संख्या 53 है और वर्तमान में 33 न्यायाधीश नियुक्त हैं। उन्होंने 32 और पद सृजित करने का प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने कहा कि इसे मंजूरी मिलने के बाद मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 85 हो जाएगी।

न्यायमूर्ति कैत ने कहा कि उन्होंने इंदौर जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन के निर्माण के संबंध में दायर तीन याचिकाओं की सुनवाई के लिए जबलपुर में मुख्य पीठ बुलाई थी। उन्होंने कहा कि तीनों याचिकाओं का निराकरण करने के बाद काम शुरू हो गया है। उन्होने कहा कि अधिकांश परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं या विभिन्न चरणों में हैं।

इंडसइंड बैंक को मार्च तिमाही में 2,329 करोड़ रुपए का घाटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संकटग्रस्त इंडसइंड बैंक को पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत आधार पर 2,328.9 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है। निजी क्षेत्र के बैंक को यह घाटा उच्च प्रावधान और कम आमदनी के कारण हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक को 2,349.15 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था।

बैंक पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की मार्च तिमाही के दौरान लेखांकन चूक, सूक्ष्म-वित्त खंड में धोखाधड़ी और बहीखाते खुलासे में उलझा हुआ है, जिसके कारण आंतरिक ऑडिट समीक्षा, शीर्ष अधिकरियों के इस्तीफे और फॉरेंसिक जांच शुरू हो गई है। बैंक ने मार्च तिमाही के दौरान 2,522 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में किए गए 950 करोड़ रुपए के प्रावधान से अधिक है। तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 13 प्रतिशत घटकर 10,634 करोड़ रुपए रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में 12,199 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, इंडसइंड बैंक का शुद्ध लाभ 71 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 2,576 करोड़ रुपए रहा।

तेलंगाना में व्यापक बारिश, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से सावधानी बरतने को कहा

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में बुधवार को व्यापक वर्षा के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न स्थानों पर बारिश और आंधी-तूफान का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। वारंगल जिले के कलेदा में 80.5 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद नलगोंडा जिले के थिरुमलागिरी सागर में 76.5 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने कहा कि तेलंगाना में कुछ स्थानों पर बृहस्पतिवार को हल्की से मध्यम बारिश या आंधी-तूफान की संभावना है। करीमनगर, पेड्डापल्ली और अन्य जिलों में बृहस्पतिवार को अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। विकाराबाद, संगारेड्डी और अन्य जिलों में 24 मई को अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ बूंदबांदी की संभावना है। बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से आईएमडी के सुझावों के अनुसार सावधानी बरतने को कहा।

आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 750 तीर्थयात्रियों का चयन

नई दिल्ली/भाषा। तिब्बत में आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से बुधवार को कुल 750 तीर्थयात्रियों का चयन किया गया। यह यात्रा लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है। यात्रा फिर से शुरू किए जाने को भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध से बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इस साल की तीर्थयात्रा जून में शुरू होगी और अगस्त तक जारी रहेगी। कोविड-19 महामारी और उसके बाद पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण 2020 में कैलाश मानसरोवर यात्रा को निलंबित कर दिया गया था। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। विदेश मंत्रालय तीर्थयात्रा का आयोजक है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले लोगों के चयन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ आयोजित किया।

भारत, यूरोपीय संघ जुलाई तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर कर रहे विचार

नई दिल्ली/भाषा। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। दोनों पक्ष इस साल जुलाई तक समझौता वार्ता को पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अंतरिम व्यापार समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सरकारी खरीद, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों का एक दल यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए इस सप्ताह ब्रसेल्स जा रहा है। यह यात्रा 16 मई को राष्ट्रीय राजधानी में दोनों पक्षों के मुख्य वार्ताकारों के बीच हाल ही में संपन्न 11वें दौर की वार्ता की पृष्ठभूमि में हो रही है। अधिकारी ने कहा, ''हम जल्दी समझौते की उम्मीद कर रहे हैं। ...हमारा लक्ष्य जुलाई तक इसे पूरा करने का है।'' दोनों पक्ष विशेषकर अमेरिकी शुल्क के कारण अनिश्चित वैश्विक व्यापार माहौल के कारण समझौते को दो चरणों में पूरा करने पर सहमत हुए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ दो चरणों में व्यापार समझौता किया था। अमेरिका के मामले में भी यही रुख अपनाया जा रहा है।

भारत अंतरिम व्यापार समझौते में अमेरिका से 26% शुल्क से पूरी रियायत के पक्ष में

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका आठ जुलाई से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा कर सकते हैं, जिसमें भारत ने घरेलू उत्पादों पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत सीमा शुल्क से पूरी छूट की मांग रखी है। एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने दो अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे तीन माह के लिए यानी नौ जुलाई तक स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का बुनियादी शुल्क लागू है। अधिकारी ने कहा कि अपने संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा के लिए भारत का प्रयास है कि अंतरिम व्यापार समझौते में कुछ कोटा या न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) को शामिल किया जाए। ऐसे क्षेत्रों में कृषि उत्पाद और डेयरी शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार समझौते पर वार्ता को गति देने के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ बैठकें कीं।

सेबी ने निवेशकों को सोशल मीडिया मंचों से होने वाली धोखाधड़ी को लेकर आगाह किया

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को निवेशकों को असत्यापित लोगों से आने वाले अनचाहे संदेशों के प्रति आगाह किया और उनसे ऐसे व्हाट्सएप 'ग्रुप' या 'कम्युनिटीज' का हिस्सा न बनने को कहा।

सेबी की यह चेतावनी ऐसे मामलों में बढ़ोतरी के बीच आई है, जहां कुछ कंपनियां प्रतिभूति बाजार में भोले-भाले निवेशकों को लुभाने और धोखाधड़ी के लिए सोशल मीडिया मंच का उपयोग कर रही हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी जांच में पाया है कि ऐसी इकाइयां निवेशकों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए कई तरह की रणनीति अपनाती हैं। ये इकाइयां संभावित ग्राहकों को लक्षित करके व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने के लिए अक्सर 'वीआईपी ग्रुप' या 'फ्री ट्रेडिंग कोर्स' (शेयर बाजार कारोबार का निःशुल्क पाठ्यक्रम) जैसे नामों से लिंक के रूप में अनचाहे निमंत्रण भेजती हैं। खुद को भरोसेमंद दिखाने के लिए ये इकाइयां अक्सर नकली प्रोफाइल बनाती हैं जो उन्हें प्रतिभूति बाज़ार के विशेषज्ञ के रूप में दर्शाती हैं। कई मामलों में वे सेबी के पास पंजीकृत मध्यस्थों, मशहूर सार्वजनिक हस्तियों या स्थापित संगठनों के सीईओ/ एमडी का भी फर्जी रूप धारण करते हैं। ये इकाइयां बड़े मुनाफे के फर्जी प्रमाण दिखाकर निवेशकों का शोषण करते हैं। ये प्रमाण भी कथित तौर पर समूह के अन्य सदस्य ही पेश करते हैं जो असल में इस घोटाले में मददगार होते हैं।

पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एकजुट होने की जरूरत : राघव चड्ढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

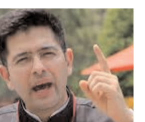

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने दक्षिण कोरिया में 'लीडरशिप कॉन्फ्रेंस' (एएलसी) में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के ठिकानों को तबाह करने के लिए अंदर घुसकर हमला करेगा और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एक साथ आना चाहिए।

चड्ढा ने कहा कि भारत ने अपने लोगों खोया उसके लिए काफी दुख है, लेकिन देश ने आतंकी खतरों का जवाब देने में अभूतपूर्व संकल्प भी दिखाया है और ''कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति भारत का नया सिद्धांत है।'' उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह एक संदेश था। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया से एकजुट होने का आह्वान करते हुए चड्ढा ने इस बात पर बल दिया कि ''भारत संघर्ष नहीं चाहता है, लेकिन अपने लोगों की रक्षा करने से कभी पीछे नहीं हटेगा।'' उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इस बात का सबूत बताया कि भारत आतंकवाद के सुरक्षित ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर सकता है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता की जरूरत पर जोर दिया। चड्ढा ने वैश्विक नेताओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने एक स्पष्ट संदेश दिया है: भारत अंदर घुसकर हमला करेगा और आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को तबाह कर देगा। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आना चाहिए कि इस तरह के ठिकानों को दुनिया में कहीं भी पनपने न दिया जाए।'' उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसा के दर्शन के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस के साहस का हवाला देते हुए शांति और प्रतिरोध की भारत की दोहरी विरासत का आह्वान किया।

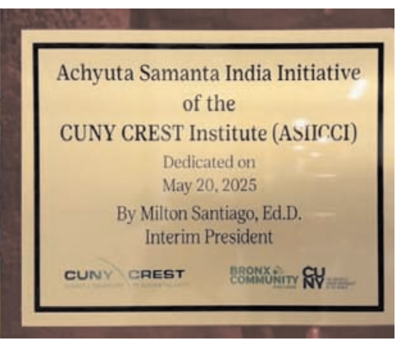

सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क ने 'अच्युत सामंत' के नाम पर शोध संस्थान का किया नामकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। अमेरिका की प्रतिष्ठित सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (क्यूनी) ने प्रसिद्ध भारतीय शिक्षाविद, समाजसेवी एवं कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के सम्मान में एक शोध संस्थान का नामकरण किया।

यह संस्थान है अच्युत सामंत इंडिया इनिशिएटिव क्यूनी क्रेस्ट इंस्टिट्यूट(एसआईआईसीसीआई), जिसमें अमेरिकी विद्यार्थियों को भारत, विशेष रूप से ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी विकास और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सामंत के योगदान पर गहन शोध का अवसर प्रदान करेगा। यह पहली बार है जब किसी भारतीय के नाम पर विशेषकर ओडिशा के व्यक्तित्व के नाम पर अमेरिका में एक अकादमिक शोध संस्थान स्थापित किया गया है। इस ऐतिहासिक पहल से न केवल भारत-अमेरिका शैक्षणिक संबंधों को सशक्त आधार मिलेगा अपितु ओडिशा की समृद्ध कला, संस्कृति और शिक्षा मॉडल को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान भी मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में ब्रॉन्क्स कम्युनिटी कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. मिल्टन सैंटियागो ने कीट और कीस का दौरा किया था, जहाँ डॉ. मिल्टन, डॉ.अच्युत सामंत के कार्यों से अत्यधिक प्रभावित हुए। परिणाम स्वरूप उन्होंने अमेरिका वापस लौटने के उपरांत प्रोफेसर डॉ. सामंत के नाम पर क्यूनी में एक शोध संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा जिसे विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर लिया गया। उद्घाटन समारोह के लिए डॉ. सामंत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर उन्हें क्यूनी का सर्वोच्च सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल भी प्रदान किया गया जो शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है।

इस अवसर पर डॉ. सामंत ने कहा, यह मेरे लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण ओडिशा, कीट और कीस-परिवार के लिए एक अत्यंत गर्व और गौरव का क्षण है।

अमेरिका जैसे देश में मेरे नाम पर शोध संस्थान का नामकरण होना भारतीय शिक्षा और सेवा क्षेत्र की एक बड़ी जीत है। गौरतलब है कि क्यूनी अमेरिका का एक प्रमुख सार्वजनिक विश्वविद्यालय है, जिसमें 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और यह 122 देशों के विविध विद्यार्थी समुदायों को सेवा प्रदान करता है।

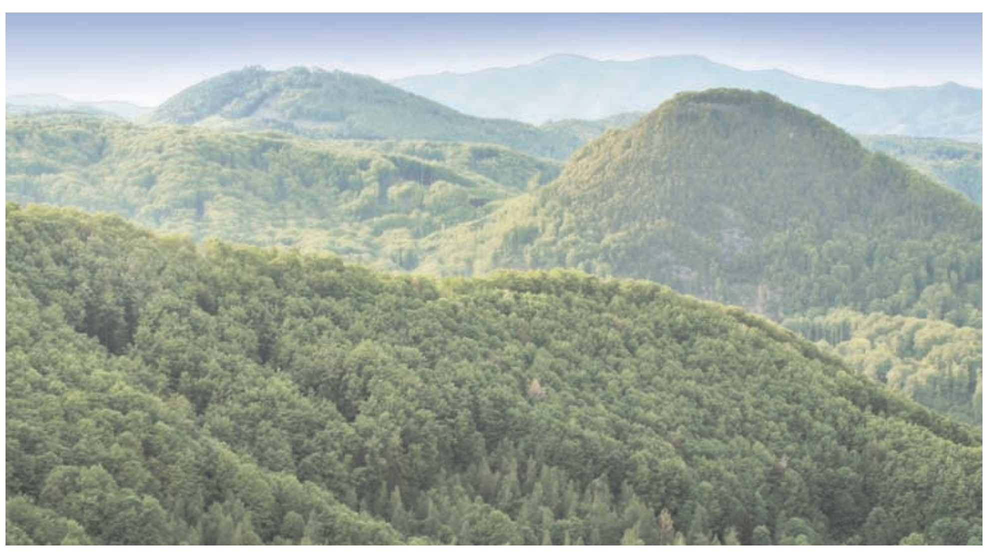

भारत ने 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन गंवाएः आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन नष्ट हो गए, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 17,700 हेक्टेयर था। लगभग 100 से अधिक संगठनों द्वारा वैश्विक सहयोग के जरिये जुटाए गए नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच और मैरीलैंड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये गए आंकड़ों के अनुसार देश ने वर्ष 2001 के बाद से 2.31 लाख हेक्टेयर वृक्ष आच्छादन खोया जोकि इस अवधि के दौरान 7.1 प्रतिशत वृक्ष आच्छादन में कमी के बराबर है और इससे लगभग 1.29 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2002 से 2024 के बीच 3.48 लाख हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन (5.4 प्रतिशत) खोये जोकि इस अवधि के दौरान हुए कुल वृक्ष आच्छादन हानि का 15 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि देश ने 2022 में 16,900 हेक्टेयर, 2021 में 18,300 हेक्टेयर, 2020 में 17,000 हेक्टेयर और 2019 में 14,500 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन गंवाए। प्राथमिक वन वे पुराने, घने और प्राकृतिक वर्षावन होते हैं जो अब तक पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और जिन्हें हाल के वर्षों में कृत्रिम रूप से फिर से नहीं उगाया गया है।

भारत ने विश्व स्वास्थ्य सभा में वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को 78वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के पूर्ण सत्र को संबोधित किया और वैश्विक स्वास्थ्य समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने समिति के नव निर्वाचित अध्यक्षों को बधाई दी और सार्थक अंतरराष्ट्रीय संवाद व सहयोग के अवसर का स्वागत किया।

श्रीवास्तव ने समावेशी व सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर बात करते हुए आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख पहलों के तहत किए गए परिवर्तनकारी कदमों को रेखांकित किया और कहा कि इन पहलों से व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच काफी हद तक बढ़ी है। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम ने व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाई है, बुनियादी ढांचे में सुधार किया है, उन्नत उपचार तकनीकों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है और डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने को गति दी है - जिससे सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

न्यायालय ने महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दी, मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार 'अशोका यूनिवर्सिटी' के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन उनके खिलाफ जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया कि वह मामले की जांच के लिए 24 घंटे के भीतर महानिरीक्षक (आईजी) रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में तीन-सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करें, जिसमें पुलिस अधीक्षक (एसपी) रैंक की एक महिला अधिकारी भी शामिल हो।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता को जांच में मदद के लिए अंतरिम जमानत दी गई है। शीर्ष अदालत ने महमूदाबाद को अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश भी दिया। पीठ ने कहा कि एसआईटी में सीधे भर्ती किए गए तीन आईपीएस अधिकारी शामिल होने चाहिए- जो हरियाणा के निवासी नहीं होंगे। पीठ ने कहा कि आईजी रैंक के अधिकारी के अलावा दो अन्य पुलिस अधीक्षक या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी होने चाहिए। सोनीपत स्थित अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर की ऑनलाइन पोस्ट की जांच-पड़ताल करने वाली पीठ ने उनके शब्दों के चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनका इस्तेमाल जानबूझकर दूसरों को अपमानित करने या उन्हें असहज करने के लिए किया गया था। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, ''शब्दों का चयन जानबूझकर दूसरों को अपमानित करने या असहज करने के लिए किया गया। प्रोफेसर एक विद्वान व्यक्ति हैं और उनके पास शब्दों की कमी नहीं हो सकती... वे दूसरों को ठेस पहुंचाए बिना उन्हीं भावनाओं को सरल भाषा में व्यक्त कर सकते थे। उन्हें दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था। उन्हें सरल और तटस्थ भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था, दूसरों का सम्मान करना चाहिए था।'' हालांकि सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन महमूदाबाद के बयानों को कानून की नजर में 'डॉग व्हिसलिंग' (किसी का समर्थन पाने के लिए गुप्त संदेश वाली) भाषा कहा जाता है। अदालत ने कहा, ''इसे हम कानून में 'डॉग व्हिसलिंग' कहते हैं। उन्हें अधिक सम्मानजनक और तटस्थ भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था।'' पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, ''जब देश में इतनी सारी चीजें हो रही थीं, तो उनके पास इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करने का मौका कहां था, जो अपमानजनक और दूसरों को असहज करने वाले हो सकते हैं। वह विद्वान व्यक्ति हैं, उनके बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनके पास शब्दों की कमी है।''

नौसेना प्रमुख ने आईएनएसवी तारिणी के चालक दल से बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना की दो महिला अधिकारियों को लेकर आईएनएसवी तारिणी वैश्विक जलयात्रा के अपने अंतिम चरण में उत्तरी गोलार्द्ध को पार करने के बाद लौट रही है और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इसके चालक दल के सदस्यों से बातचीत की और उनके अनुकरणीय कौशल और टीम भावना की सराहना की।

नौसेना प्रमुख ने पिछले साल 2 अक्टूबर को गोवा से भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएसवी) की नौका को हरी झंडी दिखाई थी। लगभग

आठ महीने की इस यात्रा के दौरान, तारिणी ने बारिश, तेज हवाओं और बड़ी लहरों का सामना करते हुए 'केप ऑफ गुड होप' को सफलतापूर्वक पार किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने इसे संचालित किया। भारतीय नौसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''20 मई 2025 को एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने आईएनएसवी तारिणी पर सवार चालक दल से बातचीत की, जो उत्तरी गोलार्द्ध को पार कर अपनी परिक्रमा के अंतिम चरण में वापस लौट रही है।'' उन्होंने कहा, ''नौसेना प्रमुख ने उनके उत्कृष्ट कौशल और टीम भावना की प्रशंसा की और भारतीय नौसेना को हो रही गर्व की अनुभूति से उन्हें अवगत कराया।'' नौसेना ने अपनी पोस्ट में एडमिरल त्रिपाठी की चालक दल से बातचीत की क्लिप भी साझा की। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''पिछले आठ महीने में आपने हमें, नौसेना को और देश का गौरवान्वित किया है। यह यात्रा अभूतपूर्व है।'' उन्होंने दोनों महिला अधिकारियों का आह्वान किया कि सतर्क रहें, निगरानी रखें और सभी सावधानी बरतें। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''जब तक यात्रा समाप्त नहीं हो जाती तब तक इसे पूरा नहीं माना जा सकता।'' उन्होंने कहा कि नौसेना का परिवार उनके घर पहुंचने पर उनका स्वागत करने को उत्सुक है। नौसेना ने 'एक्स' पर लिखा, ''तारिणी की ओर देश की निगाहें टिकी हैं। वह भारत की समुद्री ताकत, जुझारूपन, नारीशक्ति और आकांक्षा की प्रतीक है।''

गडकरी ने मलप्पुरम में राजमार्ग-66 के एक हिस्से के ध्वस्त होने की जांच का आश्वासन दिया : बशीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के लोकसभा सदस्य ई टी मोहम्मद बशीर ने बुधवार को कहा कि केरल के मलप्पुरम जिले में कूरीयाड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग–66 के एक हिस्से के ध्वस्त हो जाने की घटना की केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्ण जांच कराने का आश्वासन दिया है। इस घटना के विरोध में मलप्पुरम में युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गयी थी।

बशीर ने बताया कि उन्होंने इस मामले की गंभीरता को लेकर नयी दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बशीर ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से बताया कि गडकरी ने घटना के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी आश्वासन दिया हैं। यह घटना सोमवार दोपहर को हुई थी, जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और त्रिशूर से कोझिकोड के बीच यातायात प्रभावित हो गया था। राजमार्ग 66 के एक हिस्से का ऊंचा भाग ध्वस्त हो गया और मलबा नीचे सर्विस रोड पर गिर गया।

बशीर ने कहा कि उन्होंने मंत्री को बताया कि यह दुर्घटना निर्माण क्षेत्र में हुई और यात्री एक बाल–बाल बच गए। पोन्नानी के सांसद ने इमारत ढहने के लिए खराब निर्माण कार्य को जिम्मेदार ठहराया। बशीर ने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पर इन घटनाओं को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री से अनुरोध किया कि इस परियोजना में निर्माण कार्य में हुई गड़बड़ियों की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की जाए। उन्होंने कहा कि कासरगोड से लेकर तिरुवनंतपुरम तक इस राजमार्ग के कई हिस्सों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जो राज्यव्यापी चिंता का विषय है।

उन्होंने यह भी कहा कि केरल के भौगोलिक स्वरूप और मानसून को ध्यान में रखकर निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। इस बीच, राजमार्ग 66 के हिस्से के ढहने की घटना के विरोध में बुधवार को मलप्पुरम में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उस कंपनी के खिलाफ किया गया जो प्रभावित क्षेत्र में निर्माण कार्य कर रही थी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। पुलिस द्वारा रोके जाने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और झड़प में युवा कांग्रेस नेता अबिन वर्की समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

घटना को लेकर कांग्रेस और स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस घटना को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया और कहा कि यह मामला एनएचएआई के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तिरूपति में श्री गंगम्मा जत्रा में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कुप्पम। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को चित्तूर जिले के तिरूपति में श्री गंगम्मा जतरा (मंदिर मेला) में भाग लिया और पूजा–अर्चना की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि अपनी पत्नी एन. भुवनेश्वरी के साथ आए चंद्रबाबू नायडू ने राज्य सरकार और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से भगवान को रेशमी वस्त्र और प्रसाद अर्पित किया। विज्ञप्ति में कहा गया, कुप्पम श्री प्रसन्ना तिरुपति गंगम्मा जत्रा के तहत मुख्यमंत्री नायडू और उनकी पत्नी ने मंदिर की यात्रा की और रेशमी वस्त्र और प्रसाद चढ़ाया।

दलित महिला उत्पीड़न : केरल में एक और पुलिसकर्मी निलंबित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तिरुवनंतपुरम के एक थाने में दलित महिला को हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले में एक और पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। केरल के गृह विभाग के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सहायक आयुक्त, छावनी प्रभाग द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर पेरूरक्काडा थाने में रोजनामचा (जीडी) प्रभारी के रूप में कार्यरत सहायक उपनिरीक्षक प्रसन्न कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई।

इस संबंध में थाने के एक उपनिरीक्षक को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। स्थानीय घरेलू कामगार 39 वर्षीय आर. बिंदू ने कुमार के खिलाफ दुर्व्यवहार, खराब तरीके से बर्ताव और आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग सहित गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि बिंदू को जब चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया गया था तब उनके साथ दुर्व्यवहार करने के साथ ही प्रताड़ित किया गया था। मामला बाद में गलत साबित हुआ था।

तिरुवनंतपुरम के पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि जांच के आधार पर यह पाया गया है कि पुलिसकर्मी प्रक्रियात्मक दिशा–निर्देशों का पालन करने और याचिकाकर्ता को थाने में हिरासत में लिए जाने के दौरान रोजनामचे पर उचित प्रविष्टियां सुनिश्चित करने में विफल रहा है। आदेश 19 मई को जारी हुआ, जिसमें कहा गया है, जांच रिपोर्ट से पता चलता है कि अधिकारी का आचरण गैर–पेशेवर था और उसके कर्तव्य के दायरे से बाहर था। कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने थाने में दलित महिला के हिरासत में कथित उत्पीड़न को मंगलवार को ''अस्वीकार्य'' बताया था। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। साथ ही उनके खिलाफ दर्ज चोरी के मामले के निराधार साबित होने के बावजूद मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) पर उनकी शिकायत के संबंध में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। महिला ने दावा किया था कि उसे रात में थाने में भोजन नहीं दिया गया और सोने नहीं दिया गया तथा पुलिसकर्मियों ने उसे शौचालय का पानी पीने को कहा। महिला के इस दावे के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया।

बिंदू ने आरोप लगाया कि पिछले महीने पेरूरक्काडा थाने में हिरासत में उसे गंभीर मानसिक यातना और उत्पीड़न सहना पड़ा। यह उसके नियोक्ता द्वारा की गई शिकायत के बाद हुआ, जिसमें उस पर सोने की चेन चुराने का आरोप लगाया गया था।

शिक्षा निधि रोके जाने को लेकर तमिलनाडु ने केंद्र के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने 2024–2025 के लिए समग्र शिक्षा योजना के तहत केंद्रीय शिक्षा निधि में 2,151 करोड़ रुपये से अधिक की राशि कथित रूप से रोके रखने को लेकर केंद्र के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ दायर द्रमुक सरकार की याचिका में संविधान के अनुच्छेद 131 का हवाला दिया गया है। यह कानून शीर्ष न्यायालय को केंद्र और एक या एक से अधिक राज्यों के बीच याचिकाओं की सुनवाई करने का विशेष अधिकार प्रदान करता है।

राज्य सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और संबंधित पीएम श्री स्कूल योजना के कार्यान्वयन के लिए मजबूर करने का प्रयास किया जिस पर उसने कड़ी आपत्ति जताई, विशेष रूप से विवादास्पद तीन–भाषा फार्मूले पर। इसलिए शीर्ष अदालत से यह घोषित करने का आग्रह किया गया कि एनईपी और पीएम श्री स्कूल योजना वादी राज्य पर तब तक बाध्यकारी नहीं हैं जब तक कि वादी और प्रतिवादी के बीच तमिलनाडु के भीतर उनके कार्यान्वयन के लिए एक औपचारिक समझौता नहीं हो जाता है। मुकदमे में यह भी घोषित करने की अपील की गई है कि समग्र शिक्षा योजना के तहत धन प्राप्त करने के लिए तमिलनाडु के अधिकार को एनईपी 2020 के कार्यान्वयन और राज्य के भीतर पीएम श्री स्कूल योजना से जोड़ने की केंद्र की कार्रवाई असंवैधानिक, अवैध, मनमानी, अकारण है।

नशे में धुत व्यक्ति ने अपनी बुजुर्ग मां की पीट-पीटकर जान ली

तिरुवनंतपुरम/भाषा। दक्षिणी केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में शराब के नशे में एक व्यक्ति ने अपनी 85 वर्षीय मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान नेदुमनगड के समीप थेक्काडा निवासी ओमाना के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात हुई और आरोपी मणिकंदन घटना के समय कथित तौर पर नशे में था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी मां पर बेरहमी से हमला किया, उसे कुचला और गंभीर चोटें पहुंचाईं। ओमाना के शरीर की कई हड्डियां टूटी थीं और अस्पताल लाए जाने पर उसकी हालत गंभीर थी। वट्टाप्पारा थाने की पुलिस ने बताया कि मणिकंदन को हिरासत में ले लिया गया है।

मोहनलाल 65 वर्ष के हुए, लिवर प्रतिरोपण सहायता और मादक पदार्थ रोधी अभियान की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मलयालम अभिनेता मोहनलाल बुधवार को 65 वर्ष के हो गए और उनके जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों व फिल्म उद्योग के सहयोगियों ने उन्हें हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं दीं। मलयालम फिल्म उद्योग के अभिनेताओं, निर्देशकों और तकनीशियनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अभिनेता की तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

मोहनलाल के प्रशंसक उन्हें प्यार से 'लालेट्टन' पुकारते हैं। अपना 65वां जन्मदिन मना रहे मोहनलाल की हालिया फिल्में 'एल2: एम्पुरान' और 'थुडारम' खबरों के मुताबिक 200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो चुकी हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' हैंडल के जरिए अभिनेता को शुभकामनाएं दीं और एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो प्रिय मोहनलाल। सुपरस्टार ममूटी ने भी उनके साथ तस्वीर साझा कीं और शुभकामनाएं देते हुए पोस्ट किया, जन्मदिन मुबारक हो प्यारे, लाल। अभिनेत्री मंजू वारियर ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, प्रिय लालेट्टन! हमेशा प्यार और सम्मान।

मोहनलाल का जन्म 21 मई 1960 को हुआ था और उनका फिल्मी करियर चार दशक से अधिक लंबा रहा है, जिसमें उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। मोहनलाल को 2019 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके मोहनलाल ने जन्मदिन के अवसर पर अपने विश्वशांति फाउंडेशन के माध्यम से दो बड़ी पहलों की घोषणा की।

सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि फाउंडेशन, बेबी मेमोरियल अस्पताल के साथ मिलकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए काफी रियायती दरों पर लिवर प्रतिरोपण सर्जरी कराएगा। उन्होंने कहा, केरल में कई बच्चे लिवर की बीमारियों से पीड़ित हैं और उन्हें प्रतिरोपण की आवश्यकता है। इस पहल का उद्देश्य उनके परिवारों की मदद करना है। अभिनेता ने फाउंडेशन के तत्वावधान में 'बी अ हीरो' नामक एक वर्षीय मादक पदार्थ रोधी अभियान भी शुरू किया।

युवती ने द्रमुक नेता पर यौन शोषण का प्रयास करने का आरोप लगाया, पार्टी ने पद से हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में एक युवती ने आरोप लगाया है कि रानीपेट जिले के अराकोनम में द्रमुक की युवा शाखा के एक पदाधिकारी ने उसे कुछ ''खास लोगों से संबंध बनाने'' के लिए मजबूर किया।

विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को जिले में धरना–प्रदर्शन किया। अन्नाद्रमुक की महिला शाखा की सचिव बी वलारमथी ने कहा कि पार्टी तब तक लड़ाई जारी रखेगी जब तक पीड़ित युवती को न्याय नहीं मिल जाता।

अन्नाद्रमुक के महासचिव ए के पलानीस्वामी ने इस घटना पर रोष व्यक्त किया और कहा कि पुलिस ने प्राथमिकी तब दर्ज की जब युवती ने उनकी पार्टी के अराकोनम विधायक एस रवि से हस्तक्षेप करने की मांग की। पुलिस की ओर से मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने बुधवार को घोषणा की कि आरोपी पदाधिकारी आर. देवा उर्फ देवासेयाल को उप–संगठक के पद से मुक्त कर दिया गया है। देवा के स्थान पर पार्टी के एक अन्य सदस्य एम कवियारसु को नियुक्त किया गया है।

द्रमुक के युवा नेता पर यौन उत्पीड़न के आरोपों की तत्काल जांच की जाए : महिला आयोग

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के एक पदाधिकारी के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया है। खबरों के अनुसार, आरोप संबंधित पदाधिकारी की पत्नी ने लगाए हैं, जिसने दावा किया कि आरोपी ने लड़कियों को राजनीतिक नेताओं से ''संबंध बनाने'' के लिए मजबूर किया।

आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस मामले को ''गंभीर और परेशान करने वाला'' बताया तथा तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर मामले की तत्काल, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने को कहा है। महिला आयोग ने पीड़िता की सुरक्षा, स्वतंत्र जांच दल के गठन और मामले में किसी भी तरह के राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। इसने तमिलनाडु पुलिस से भारतीय न्याय संहिता, 2023 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज करने और प्राथमिकी की प्रति के साथ तीन दिन के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा है।

'ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज में आठ हफ्ते का अंतर व्यावहारिक कदम है : कमल हासन

चेन्नई/मुंबई। अभिनेता कमल हासन ने अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ' की थियेटर और ओटीटी रिलीज के बीच आठ सप्ताह का अंतर रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह व्यावहारिक सोच है और इसके पीछे कोई प्रयोग करने जैसा कुछ नहीं है। फिल्म निर्माता मणिरत्नम के साथ एक प्रचार कार्यक्रम में हासन ने कहा कि यह कदम फिल्म उद्योग के लिए एक स्वस्थ पहल है और उम्मीद है कि अन्य निर्माता भी इसका अनुसरण करेंगे।

उन्होंने कहा, यह कोई प्रयोग नहीं है, बल्कि व्यावहारिक निर्णय है। खुशी है कि नेटफ्लिक्स ने इसे स्वीकार किया है। यह उद्योग के लिए अच्छा है और हम पहले हैं जो इसका लाभ उठा रहे हैं। हासन और मणिरत्नम 35 साल बाद इस फिल्म में साथ आ रहे हैं। दोनों ने 1987 में नायकन' में साथ काम किया था। हासन ने मणिरत्नम से दोस्ती को याद करते हुए कहा, हम दोनों फिल्म प्रेमी हैं और इसी कारण एक–दूसरे के करीब आए। हम किसी भी सेट पर जाकर शूटिंग देख लेते थे। फिल्म 'ठग लाइफ' में हासन रंगाराया शक्तिवेल नायकन की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में सिलंबरासन टीआर, तृषा, ए आर रहमान, ऐश्वर्या लक्ष्मी, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म पांच जून को रिलीज होगी।

कर्नाटक सरकार ने कुमकी हाथी आंध्र प्रदेश को सौंपे

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य की ओर से पड़ोसी आंध्र प्रदेश को छह कुमकी (प्रशिक्षित) हाथी सौंपते हुए मानव–हाथी संघर्ष को कम करने में राज्यों के बीच सहयोग व समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। कर्नाटक सरकार द्वारा यहां विधानसौधा के ऐतिहासिक सीढियों पर हुए आयोजित एक कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश को चार हाथी सौंपे गए। दो बाद में सौंपे जाएंगे। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी शामिल हुए। अधिकारियों के अनुसार, कुमकी हाथियों का इस्तेमाल आंध्र प्रदेश में उत्पाती हाथियों के झुंड को नियंत्रित करने, उन्हें खेतों में घुसने, उत्पात मचाने और लोगों पर हमला करने से रोकने के लिए किया जाएगा।आंध्र प्रदेश को दिए गए हाथियों में 2022 में चिकमगलुरु में पकड़ा गया कृष्णा (15), 2023 में होन्नाली से पकड़ा गया शिवमोग्गा अभिमन्यु (14), 2019 में कुशलनगर में पकड़ा गया देव (39) और दुबारे कैंप में पैदा हुआ रंजन (26) शामिल है।

सिद्दरामय्या ने कहा, हम कर्नाटक की ओर से आंध्र प्रदेश को हाथी सौंप रहे हैं। हम छह कुमकी हाथियों को सौंपने पर सहमत हुए थे, लेकिन आज हम चार सौंप रहे हैं और शेष दो बाद में सौंपे जाएंगे। ये सभी हाथी प्रशिक्षित हैं। आंध्र के हाथियों की देखभाल करने वाले महावतों को करीब एक महीने तक प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने हाथी सौंपने के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में 3,695 हाथी हैं, जो संभवतः देश में सबसे अधिक है।उन्होंने कहा, हाल के दिनों में मानव–हाथी संघर्ष में बढ़ोतरी हुई है और इसे रोकने के लिए सभी राज्यों का सहयोग महत्वपूर्ण है। जब दूसरे राज्यों के साथ समन्वय होगा तभी संघर्षों को कम किया जा सकता है। अगर इसे रोका जा सकता है, तो यह और भी अच्छा है।... इसे रोकना कर्नाटक समेत सभी राज्यों की जिम्मेदारी है।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पवन कल्याण ने कर्नाटक सरकार को कुमकी हाथी सौंप उनके राज्य में मानव–हाथी संघर्ष को कम करने में मदद के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश पिछले 20 वर्षों से हाथी और मानव संघर्ष को कम करने की आवश्यकता महसूस कर रहा है और सोच रहा है कि इसे कैसे किया जाए। कर्नाटक सरकार ने बेहतरीन काम किया है। उनके उपाय बेहतरीन हैं और हम कर्नाटक सरकार से सीख रहे हैं।

गृह मंत्री से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों पर ईडी की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तुमकुरु और बेंगलूरु के बाहरी इलाके में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से संबद्ध बताए जा रहे शैक्षणिक संस्थानों में छापेमारी कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, तुमकुरु में 'श्री सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज' और 'श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' तथा बेंगलूरु के बाहरी इलाके में नेलमंगला में 'श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' में छापेमारी की जा रही है। छापेमारी के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि मुख्यमंत्री ने ईडी की छापेमारी पर कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन कर्नाटक के पार्टी मामलों के प्रभारी कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि परमेश्वर अनुसूचित जाति के एक बड़े नेता हैं और यह छापेमारी पिछली भाजपा सरकारों के भ्रष्टाचार को छिपाने एवं शोषितों की आवाज उठाने वालों की आवाज दबाने का एक हताश प्रयास प्रतीत होती है।

जब पत्रकारों ने इस बारे में सवाल किया तो मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे नहीं पता... मैं पता करूंगा, तभी कुछ कहूंगा।''

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा, ''मुझे नहीं पता। मेरे गृह मंत्री का ऐसे किसी मामले में शामिल होना संभव नहीं है। वह एक सभ्य, सरल व्यक्ति हैं...परमेश्वर का ऐसे किसी मामले में शामिल होना संभव नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''शैक्षणिक संस्थानों पर छापेमारी की क्या जरूरत है? मेरे पास उचित जानकारी नहीं है। इस बारे में मैं जानकारी जुटाता हूं, फिर कुछ कह पाऊंगा।''

सुरजेवाला ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने मंगलवार को होसपेट में एक लाख अनुसूचित जाति(एससी)/जनजाति (एसटी) परिवारों को संपत्ति का मालिकाना हक दिया है। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी भाजपा और केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की हताशा भरी प्रतिक्रिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि परमेश्वर अनुसूचित जाति के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत भर में संविधान और एससी/एसटी तथा ओबीसी समुदायों के नेताओं पर लगातार हमला एक आदत बन गई है। परमेश्वर के खिलाफ बदला लेने की कोशिश इसी भयावह योजना का हिस्सा है।

सुरजेवाला ने कहा कि शिक्षा की ज्योति जलाने के लिए तुमकुरु में परमेश्वर द्वारा संचालित 'सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' की स्थापना 46 साल पहले 1979 में की गई थी और 'सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज' की स्थापना 28 साल पहले 1988 में तुमकुरु के ग्रामीण इलाकों में की गई थी।

उन्होंने यह भी कहा कि यह वाकई आश्चर्यजनक है कि इस संस्थान की स्थापना के 46 साल बाद जब भाजपा के भ्रष्टाचार की राज्य के गृह मंत्रालय और परमेश्वर द्वारा सक्रिय रूप से जांच की जा रही है, तब मोदी सरकार गलत कामों की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा, ईडी की छापेमारी पिछली भाजपा सरकारों के भ्रष्टाचार को छिपाने तथा उत्पीड़ितों की आवाज उठाने वालों की आवाज दबाने का एक हताश प्रयास जान पड़ती है।

बैंक प्रबंधक ने कन्नड़ बोलने से इनकार किया, सिद्दरामय्या ने निंदा की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को आनेकल तालुक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने के व्यवहार की निंदा की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया था, जिसमें कथित तौर पर एक ग्राहक के साथ वह कन्नड़ भाषा को लेकर बहस करती हुई सुनी जा सकती हैं।

मंगलवार को सामने आए वीडियो में ग्राहक के साथ कथित बहस के दौरान, प्रबंधक को यह कहते हुए सुना जा सकता है ''मैं कन्नड़ में बिल्कुल बात नहीं करूंगी.......बल्कि हिंदी में बात करूंगी।'' उन्हें बार–बार यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह कन्नड़ में बात नहीं करेंगी, जबकि ग्राहक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का हवाला देते हुए दावा किया कि बैंक कर्मचारियों को क्षेत्रीय भाषा में संवाद करना आवश्यक है। इस घटना की कन्नड़ कार्यकर्ताओं और कन्नड़ समर्थक समूहों ने कड़ी निंदा की। उन्होंने प्रबंधक द्वारा माफी मांगे जाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में अधिकारी को स्थानांतरित करने की एसबीआई की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, सूर्य नगर, आनेकल तालुक में एसबीआई शाखा प्रबंधक का कन्नड़ और अंग्रेजी में बात करने से इनकार करना और नागरिकों के प्रति अनादर दिखाना, अत्यंत निंदनीय है। हम अधिकारी को स्थानांतरित करने की एसबीआई की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं। अब इस मामले को समाप्त माना जा सकता है।हालांकि, सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए और सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए तथा स्थानीय भाषा में बात करने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने हैशटैग 'कन्नड़ फर्स्ट' के साथ लिखा, मैं केंद्रीय वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग से पूरे भारत में सभी बैंक कर्मचारियों के लिए सांस्कृतिक और भाषा संवेदीकरण प्रशिक्षण अनिवार्य करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा का सम्मान करना लोगों का सम्मान करना है। बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा के सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी प्रबंधक के बर्ताव की निंदा करते हुए कहा, ''यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में बैंकों को ग्राहकों की सेवा कन्नड़ में करनी चाहिए। सूर्या ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले ही लोक लेखा समिति की बैठक में उन्होंने वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव के समक्ष यह मुद्दा उठाया था, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया था कि ऐसी भूमिकाओं के लिए स्थानीय भाषा में प्रवीणता अनिवार्य होने संबंधी कार्यालयीन अधिसूचना लागू करने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

मोदी आज बीकानेर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान के बीकानेर जिले में रेलवे, सड़क, बिजली, जल और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर आएंगे। वे बीकानेर जाएंगे और पूर्वाह्न करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे तथा पलाना में सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर के 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। राजस्थान में सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री तीन वाहन अंडरपास के निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की आधारशिला रखेंगे।

मोदी के बीकानेर दौरे पर अर्जुनराम मेघवाल बोले- 'वह जहां जाते हैं, विकास के द्वार खोलते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजस्थान के बीकानेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी सुबह करीब 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री के बीकानेर दौरे से पहले केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बुधवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां जाते हैं, वहां विकास के द्वार खोलते हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पीएम मोदी गुरुवार बीकानेर आ रहे हैं। यहां वह देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। इस योजना के तहत देशभर में 103 स्टेशनों को पुनर्विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वह पलाना आएंगे और यहां एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम मोदी की यह पहली यात्रा है। उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं है।

एजीटीएफ ने एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्यबल (एजीटीएफ) ने एक लाख रुपये के इनामी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ साल पहले बहरोड थाने पर अत्याधुनिक हथियारों से हमला कर हवालात में बंद गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को भगाने के मामले में फरार राजवीर गुर्जर को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि राजवीर की गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय से एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। वह हरियाणा में महेंद्रगढ़ खैरोली थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

अतिरिक्त महानिदेशक (एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि पांच-छह सितंबर 2019 की दरमियानी रात हरियाणा के गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को बहरोड़ थाना पुलिस ने एक कार एवं 31.90 लाख रुपये नकद सहित गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि अगले दिन गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा सहित अन्य 30 से अधिक बदमाश एके-47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों के साथ बहरोड़ थाने पर हमला कर हवालात में बंद पपला गुर्जर को छुड़ाकर ले गए थे।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना के 17 महीने बाद 27-28 जनवरी 2021 को पुलिस की विशेष टीम ने विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को उसकी महिला मित्र जिया के साथ महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार किया था। उनके मुताबिक, मामले में पुलिस अब तक 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दिनेश ने बताया कि आरोपी राजवीर की तलाश एवं धरपकड़ की कार्रवाई को एजीटीएफ ने 'ऑपरेशन लारा' नाम दिया था। उनके अनुसार, इस अभियान के दौरान टीम को पता चला कि आरोपी अपने पास ना तो मोबाइल रखता है और ना ही सोशल मीडिया का उपयोग करता है। अधिकारी के मुताबिक, हालांकि एजीटीएफ टीम ने राजवीर को रेवाड़ी हरियाणा से पकड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर एके 56 राइफल व दो मैगज़ीन व सात कारतूस बरामद किये गये।

भजनलाल ने माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने पर गीता को दी बधाई

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की अधिकारी गीता सामोता को माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कहा राजस्थान की बेटी एवं सीआईएसएफ की अधिकारी गीता सामोता द्वारा माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने न केवल सीआईएसएफ की पहली महिला अधिकारी के रूप में विश्व के सर्वोच्च शिखर पर भारतीय ध्वज फहराकर इतिहास रचा बल्कि महिला सशक्तीकरण की भी मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने सिद्ध कर दिया कि राजस्थान की बेटियां हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। समस्त देशवासी उनके इस साहस और दृढ़ संकल्प से गौरवान्वित हैं।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर टाइगर की चहलकदमी से श्रद्धालुओं में भय

भरतपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बुधवार सुबह से ही टाइगर की चहलकदमी से यहां आने वाले श्रद्धालुओं में भय व्याप्त है। रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर पिछले कुछ दिनों से टाइगर की लगातार चहलकदमी से श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा मंडराता देख वन विभाग ने बाघिन सुल्ताना की निगरानी बढ़ा दी थी, लेकिन एक बार फिर रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर सुबह से ही बाघिन सुल्ताना की चहलकदमी से गणेश धाम आ जा रहे श्रद्धालु सहमे हुए हैं। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चौपाहिया वाहनों में सवार त्रिनेत्र गणेश मंदिर जाने वाले यात्रियों ने आज सुबह से दोपहर तक टाइगर की चहलकदमी को अपने मोबाइल फोन कैमरों में कैद किया।

श्रेयस अय्यर ने रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का किया भ्रमण

भरतपुर/दक्षिण भारत। भारतीय क्रिकेटर एवं किंग्स इलेवन, पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सवाई माधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में पहुंचकर वहां के नजारे का लुत्फ उठाया। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपनी दो दिन की निजी यात्रा के दौरान अय्यर ने रणथम्भौर के जोन नंबर दो और तीन में टाइगर सफारी का लुत्फ उठाने के साथ ही रणथम्भौर की प्राकृतिक सुंदरता को निहारा और बाघिन को अठखेलियां करते हुए देखा। उन्हें जोन नंबर दो में बाघिन रिद्धि एवं उसके शावकों और बाघिन ऐरोहेड के शावकों के दीदार हुये। यहां बाघिन को अठखेलियां करते देखकर अय्यर खासे रोमांचित नजर आये। गौरतलब है कि प्रख्यात भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर सहित अनेक नामी-गिरामी हस्तियां रणथम्भौर में टाइगर सफारी कर लुत्फ उठा चुकी हैं।

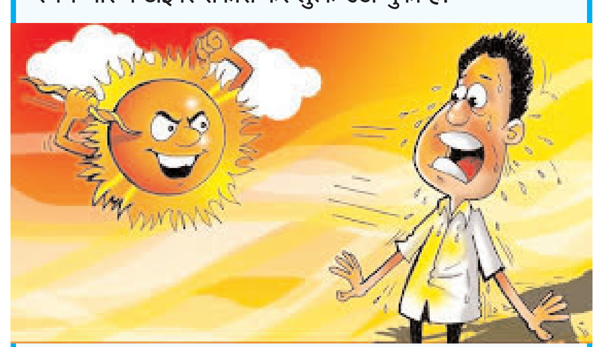

राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण गर्मी की चेतावनी

जयपुर/दक्षिण भारत। मौसम विभाग ने राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी दी है। राजस्थान का ज्यादातर हिस्सा पहले ही कई दिनों से भारी गर्मी का सामना कर रहा है तथा यह और बढ़ेगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार बीकानेर, जोधपुर जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आज बुधवार को लू चलने और रात को अधिक गर्मी होने की संभावना है। वहीं गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू व झुंझुनूं जिलों में कहीं-कहीं तीव्र लू तथा रात को अत्यधिक गर्मी रहेगी। विभाग के अनुसार, आगामी 48 घंटों में तापमान में 1-2 डिग्री बढ़ोतरी होने, 21-23 मई के दौरान बीकानेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-48 डिग्री सेल्सियस रहने, लू/तीव्र लू तथा रात का तापमान अधिक होने की पूरी संभावना है। इस दौरान सीमावर्ती इलाकों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी हवाएं या लू चलेंगी। राज्य के उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में आगामी 4-5 दिन दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ आंधी चलने व हल्की मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग में भी 24-26 मई के दौरान कहीं-कहीं बादलों की गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। जयपुर, भरतपुर, बीकानेर संभाग में 22-23 मई को दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ धूल भरी आंधी चलने का अनुमान है।

भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा ने कोर्ट में किया सरेंडर, 20 साल पुराने केस में भुगतेंगे 3 साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान के बारां जिले के अंता से बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मनोहर थाना कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। 20 साल पुराने एक मामले में उन्हें तीन साल की सजा सुनाई गई है, जिसे हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी बरकरार रखा गया है। बुधवार सुबह करीब 10:15 बजे कंवरलाल मीणा अपने अकलेरा स्थित निवास से निकले और रास्ते में कामखेड़ा बालाजी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद वे सीधे मनोहर थाना कोर्ट पहुंचे, जहां करीब 11:15 बजे उन्होंने सरेंडर कर दिया। कोर्ट में आत्मसमर्पण के बाद अब उन्हें जेल भेजा जाएगा।

यह मामला वर्ष 2005 का है, जब झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र में उपसरपंच चुनाव के दौरान कंवरलाल मीणा पर आरोप लगा कि उन्होंने उस समय के एसडीएम रामनिवास मेहता की कनपटी पर पिस्टल तान दी थी और वोटों की दोबारा गिनती की धमकी दी थी। यही नहीं, उन्होंने मौके पर मौजूद विभागीय फोटोग्राफर का कैमरा जलाने और कैमरे की कैसेट तोड़ने का भी प्रयास किया था।

इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2018 में कंवरलाल मीणा को बरी कर दिया था। लेकिन वर्ष 2020 में एडीजे कोर्ट, अकलेरा ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए उन्हें दोषी माना और तीन साल की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने 1 मई 2025 को यह सजा बरकरार रखी और अब सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिल पाई।

कंवरलाल मीणा को तीन साल की सजा मिलने के बाद अब उनकी विधानसभा सदस्यता पर भी खतरा मंडरा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की हर मां, बेटी और बहन की जीत : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बूंदी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि यह जीत भारत की प्रत्येक मां, बहन और बेटी की जीत थी। बूंदी में सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान के सम्मान में मंगलवार की शाम को राष्ट्रव्यापी पहल 'तिरंगा यात्रा' का उद्घाटन करते हुए बिरला ने कहा कि हाल के दिनों में भारत के प्रत्येक नागरिक के दिल में देशभक्ति की लहर उमड़ी है। बिरला ने कहा, नारी शक्ति राष्ट्र की शक्ति बन गई है, जो हमारे सैनिकों को प्रेरित कर रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की गाथा सुनहरे अक्षरों में लिखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान एक सैन्य अभियान से आगे, उन सभी महिलाओं के 'सिंदूर' की रक्षा का संकल्प था जिनके पति तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा के लिए सीमाओं पर मुस्तैद हैं। राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रभु लाल सैनी, बूंदी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला प्रमुख रामेश्वर मीणा और हजारों अन्य लोगों की उपस्थिति में यह यात्रा आजाद पार्क से शुरू हुई और कोटा रोड, नगर-सरग कुंड, इंदिरा मार्केट, अहिंसा सर्किल, खोजा गेट और गायत्री नगर से होते हुए सिविल लाइंस रोड स्थित शहीद रामकल्याण स्मारक पर समाप्त हुई। 'पीटीआई वीडियो' से संक्षिप्त बातचीत में बिरला ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई थी, जो आतंकवाद के पूरी तरह से खत्म होने तक जारी रहेगी।

विधानेश्वर महादेव मंदिर में देव प्राण प्रतिष्ठा, देवनानी को दिया निमंत्रण

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को बुधवार को प्रातः विधानसभा में विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विधान सभा नगर, मानसरोवर स्थित विधानेश्वर महादेव मंदिर के देव प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिये निमंत्रण दिया। देवनानी गुरूवार, 5 जून को मंदिर की महाआरती में शामिल होंगे। समारोह में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के.शर्मा भी शामिल होंगे।

विधानसभा अधिकारी श्रीमती इन्द्रा शर्मा, शिव कुमार शर्मा, के.के.शर्मा, फतहलाल जनवा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण ने बताया कि धौलाई स्थित विधान सभा नगर में स्थापित विधानेश्वर महादेव मंदिर में देव प्राण-प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय समारोह का आयोजन किया जायेगा। रविवार, 1 जून को प्रातः कलश यात्रा, हवन, जलाधिवास के साथ समारोह की शुरूआत होगी। 2 जून को देव अर्चन, 3 जून को हवन, 4 जून को महास्नान तथा 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण आहूति, महाआरती और प्रसादी होगी।

हर वर्ग का विकास हमारा संकल्प : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला, गरीब, युवा और किसान सहित हर वर्ग के उत्थान से ही देश का उत्थान हो रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि देश का हर वर्ग, हर जाति और हर समाज उन्नति कर रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संत जीवाराम, संत आत्माराम और बाबा साहेब अम्बेडकर को नमन कर समाज प्रतिभाओं को बधाइयां दीं।

शर्मा ने कहा कि आजादी पूर्व से ही रैगर समाज का राष्ट्रहित में अहम योगदान रहा है। हमारी सरकार ने भी आवश्यक निर्णय लेकर सभी समाजों के विकास कार्यों को गति दी है। इस दौरान उन्होंने देश में संस्कृति, विरासत और समाज समानता में अहम भूमिका निभाने वाले 'संत आत्माराम लक्ष्य' का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे संत आत्माराम लक्ष्य के विचारों को आत्मसात कर युवा राष्ट्र विकास के मार्ग पर चल सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समतामूलक और शिक्षित समाज की परिकल्पना की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं। भावी पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र विकास में योगदान, अमूल्य कार्यों व विचारों से प्रेरणा मिलेगी। इसके लिए उनके जीवन से जुड़े

पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित गया है। उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े तीर्थों का भ्रमण करा रही है।

शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण एवं श्रम सुधार जैसे क्षेत्रों में बाबा साहब ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बावजूद आजादी के बाद लंबे अर्से तक उन्हें सम्मान नहीं मिल पाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत कर देशवासियों की ओर से उन्हें सच्चा सम्मान दिया है। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के साथ ही प्रधानमंत्री ने बाबा साहब की विरासत और आजाद भारत को लेकर देखे गए सपनों को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और अनाथ व जरुरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही हैं।

विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए 'दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना' में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन समुदाय को 26 हजार आवासीय पट्टे देने का बड़ा कार्य भी किया गया है। शर्मा ने कहा कि जयपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एण्ड रिसर्च की शुरुआत भी की गई है। शर्मा ने कहा कि देश में अब गरीबी हटाओ के नारों के बजाय गरीब कल्याण की दिशा में कार्य हो रहे हैं।

सड़कों के निर्माण होने से आमजन को आवागमन की मिलेगी बेहत्तर सुविधाएं : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर्। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सड़कों के निर्माण होने से आमजन को आवागमन की बेहत्तर सुविधाएं मिलेगी । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़कों के विकास कार्यों के लिए सदैव तत्पर हैं, इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं रखी जायेगी। खर्रा मंगलवार को नगर विकास न्यास सीकर एवं धोद क्षेत्र के 938.82 लाख रूपये के 10 सड़क विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहें थे। खर्रा ने कहा कि सीकर शहर और धोद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क विकास की जो मांगे की गई थी उन्हीं मांगों में से 10 मांगों को नगर विकास न्यास द्वारा कार्य रूप में परिणित करने के लिए कार्य योजना बनाई गई जिसे आज मूर्त रूप दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत कार्यों को 4 महीने में पूर्ण कराने का प्रयास किया जायेगा। सिंह खर्रा ने सीकर में सड़क चौड़ाईकरण एवं सुद्धढीकरण का कार्य, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, बी.टी. सड़क निर्माण कार्य सहित अन्य विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रदेश में विकास के कामों के लिए राज्य सरकार ने जो दो बजट पेश किये है, उसमें प्रदेश की दौ सौं विधानसभा क्षेत्रों में से ऐसी कोई विधानसभा नहीं हैं, जिसके विकास कार्यों के लिए करोड़ों रूपये की बजट घोषणा नहीं की गई हो्। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान को विकसित श्रेणी में लाने के लिए प्रयासरत है।

पुलिस ने 25 फर्जी शादियां करने वाली 'ठग दुल्हन' को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने 23 साल की एक युवती को गिरफ्तार किया है जिस पर कम से कम 25 'फर्जी शादियां' करने का आरोप है। युवती पर आरोप है कि वह शादी के बाद नकदी व कीमती सामान लेकर चंपत हो जाती है। सवाई माधोपुर पुलिस की एक टीम ने मध्य प्रदेश में भोपाल जिले के शिव नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली अनुराधा को 18 मई को गिरफ्तार किया। मानटाउन के थानाधिकारी सुनील कुमार ने बताया, आरोपी महिला ने फर्जी शादियां रचाकर कई लोगों को ठगा है। वह नकदी और मोबाइल फोन समेत कीमती सामान लेकर फरार हो जाती है। उन्होंने बताया कि जिस मामले में उसे गिरफ्तार किया गया है वह विष्णु गुप्ता ने तीन मई को दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि सुनीता और पप्पू मीणा नामक दो लोगों ने उसकी शादी करवाने का झांसा देकर उसे गुमराह किया।

शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत के अनुसार, उन्होंने अनुराधा की तस्वीर दिखाई,एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी किया और उसके बाद

पिछले महीने हुई शादी के लिए मुझसे दो लाख रुपये ले लिए। शादी के एक हफ्ते बाद अनुराधा नकदी, गहने और मोबाइल फोन लेकर गायब हो गई। जांच में पता चला कि अनुराधा इसी तरह कई 'फर्जी शादी' कर चुकी हैं। हर ऐसी शादी के कुछ दिन बाद वह गायब हो जाती है। अधिकारी ने कहा, जांच से पता चला है कि अनुराधा कम से कम 25 ऐसी धोखाधड़ी वाली शादियों में शामिल रही है। जांच दल ने पाया कि अनुराधा भोपाल में कई ऐसे लोगों के संपर्क में थी जो शादी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का हिस्सा हैं।

इस गिरोह का काम शादी के लिए दुल्हन तलाश रहे युवकों को फांसना, उन्हें भावी 'दुल्हन' की तस्वीरें दिखाना, 2 से 5 लाख रुपये तक की मोटी रकम लेना और फिर फर्जी शादियां आयोजित करना है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस गिरोह द्वारा करवाई गई कथित शादी के तुरंत बाद दुल्हन फरार हो जाती है जिसके बाद युवक आर्थिक व भावनात्मक संकट में फंस जाते हैं। पुलिस टीम के सदस्यों ने खुद को अविवाहित युवक के रूप में पेश कर भोपाल में अनुराधा को ट्रैक किया। सफलता तब मिली जब उन्हें अनुराधा की तस्वीर शादी करने की इच्छुक युवतियों की सूची में मिली। इसके बाद टीम ने भोपाल में उस जगह का पता लगाया जहां वह एक अन्य पीड़ित से शादी करने के बाद छिपी हुई थी।

कांग्रेस नेता पाकिस्तान में लोकप्रियता पाने के लिए सरकार के प्रयासों को कमतर आंक रहे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के इस आरोप को लेकर बुधवार को उस पर निशाना साधा कि सरकार ने ''कठिन सवालों'' से जनता का ध्यान हटाने के लिए विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है। भाजपा ने कहा कि प्रमुख विपक्षी दल में राष्ट्रवाद पूरी तरह से खत्म हो गया है।

सत्तारूढ़ भाजपा ने भारत–पाक संघर्ष पर विपक्ष के कुछ नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और उन पर ऐसे समय में ''पाकिस्तान के पॉपुलर फ्रंट की तरह व्यवहार करने'' का आरोप लगाया जब उन्हें भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए एकजुटता दिखानी चाहिए थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को व्यक्त करने के सरकार के प्रयास को ''कमतर आंकने'' का आरोप लगाया।

रमेश के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर त्रिवेदी ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कांग्रेस हताशा में ऐसा बयान देने को मजबूर है,

क्योंकि वह सबूत (भारतीय सैन्य कार्रवाई का) नहीं मांग पा रही है। कांग्रेस की नजरों से राष्ट्रवाद पूरी तरह गायब हो चुका है।''

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और जयराम रमेश के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि वे पाकिस्तान में लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में एक–दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जयराम की टिप्पणी सभी सांसदों का अपमान है।

त्रिवेदी ने राहुल गांधी का नाम लिये बिना कहा, ''आपके नेता या तो भारत की ओर (विदेशी ताकतों का) ध्यान आकर्षित करने या भारत को बांटने के लिए विदेश जाते रहते हैं। जब भी वह विदेश जाते हैं, तो देश को बांटने वाले बयान देते हैं। यह पहली बार है कि सभी दलों के नेता (जो प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं) एकता दिखा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''कुछ मुद्दों पर पाकिस्तान और कांग्रेस की मानसिकता एक जैसी है। युद्ध हारने के बावजूद पाकिस्तान के सेना प्रमुख को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया। कांग्रेस में भी लोग चुनाव हारने के बाद 'फील्ड मार्शल' बन जाते हैं।''

त्रिवेदी ने कहा कि ''इंडी'' गठबंधन के सभी बयानों को पाकिस्तानी मीडिया, पाकिस्तान की राष्ट्रीय असेंबली, पाकिस्तानी सेना की ब्रीफिंग और यहां तक कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा तैयार किए जा रहे डोजियर में भी उद्धृत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''...'इंडिया' गठबंधन ने पाकिस्तान के पॉपुलर फ्रंट की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। सिर्फ 'इंडिया अलायंस' नाम रखने से आप दिल से भारतीय नहीं बन जाते।''

कारीगरों ने बनायी 'आपरेशन सिंदूर' को समर्पित कलाकृति, पीएम को भेंट की जाएगी

आगरा (उप्र)/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का देश भर में जश्न मनाये जाने के बीच आगरा के ताजगंज क्षेत्र के मुस्लिम कारीगरों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' का निरीक्षण करते हुए प्रदर्शित करने वाली एक कलाकृति तैयार की है। कीमती पत्थरों से निर्मित इस कलाकृति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट करने की योजना है।

'आपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर कार्रवाई के लिये चलाया गया था। कलाकृति बनाने वाले कारीगरों में शामिल इसरार ने बुधवार को 'पीटीआईभाषा' को बताया, ''यह कलाकृति ढाई फुट ऊंची और तीन फुट चौड़ी है। हमने इसे बनाने के लिए बेल्जियम, बर्मा और श्रीलंका से मंगाये गये पत्थरों का इस्तेमाल किया है। ताजमहल में किये गये पत्थर के बारीक काम की तरह इस मोजैक को भी बड़े हुनर के साथ उकेरा गया है। इसमें दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी आपरेशन सिंदूर की कार्रवाई खुद देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि छह मुस्लिम कारीगरों ने इस मोजैक को 15 दिन की मशक्कत और पूरे समर्पण से तैयार किया है। यह तस्वीर प्रधानमंत्री मोदी को सप्रेम भेंट की जाएगी।

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक भत्ता मिलेगा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने बुधवार को घोषणा की कि अगर इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य की महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक भत्ता मिलेगा।

लांबा ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह वादा किया और 'माई बहन मान' योजना का समर्थन किया जिसकी परिकल्पना उनके गठबंधन सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव ने कुछ महीने पहले की थी। उन्होंने कहा, ''केंद्र और राज्य की राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकारें लोगों, खासकर महिलाओं के कल्याण के बारे में परवाह नहीं करती हैं। लेकिन कांग्रेस और महागठबंधन के घटक उनके बारे में चिंतित हैं। अगर बिहार में आगामी चुनाव में महागठबंधन सत्ता में आता है, तो राज्य सरकार वंचित वर्गों की महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह प्रदान करेगी।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम सरकार बनने के तुरंत बाद इस योजना को लागू करेंगे, जैसा कि हमने तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में किया था।'' लांबा ने कहा कि पार्टी नेता इस योजना के लिए राज्य भर में फॉर्म वितरित करेंगे और गठबंधन सहयोगियों के कार्यकर्ताओं द्वारा पात्र महिलाओं के लिए फॉर्म भरे जाएंगे। पार्टी ने एक मोबाइल नंबर भी जारी किया है जिस पर पात्र महिलाएं पंजीकरण के लिए 'मिस्ड कॉल' दे सकती हैं।

पहलगाम हमला सुरक्षा की बड़ी नाकामी, गृह मंत्री जिम्मेदारी स्वीकारें: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमला गृह मंत्रालय की बड़ी सुरक्षा विफलता है और गृह मंत्री अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस हमले को एक महीना हो चुका है, लेकिन इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादी आखिर कब पकड़े जाएंगे। रमेश ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक प्रयास अपनी जगह ठीक हैं, लेकिन यह भी जरूरी है कि निर्दोष भारतीय नागरिकों की हत्या करने वालों को पकड़कर दंडित किया जाए। उन्होंने 2008 के मुंबई आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय आतंकवादियों को कानून की जद में लाया गया था और पाकिस्तान को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब किया गया था।

रमेश ने कहा, ''हम चाहते हैं कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को पकड़ा जाए। इस हमले को एक महीना पूरा होने को आया है। कूटनीतिक प्रयास ठीक हैं, लेकिन हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ना और उन्हें दंडित करना जरूरी है।'' उन्होंने राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं के हमलों को लेकर पलटवार करते हुए कहा, ''जिन्ना को क्लीन चिट देकर उनकी तारीफ किसने की थी? जसवंत सिंह ने जिन्ना की प्रशंसा की थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर तक बस यात्रा की थी। नवाज शरीफ के साथ नाश्ते पर कौन गया था? यह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी थे।'' रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जब आप हताश हो गए हैं, आपकी छवि धूमिल हो चुकी है तो सांसदों को विदेश भेज रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी और दोनों देशों के इसी गठजोड़ को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पहले ही सवाल उठा चुके हैं।

तृणमूल नेताओं ने हिंदुओं को निशाना बनाकर मुर्शिदाबाद हिंसा की साजिश रची: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल में हुई हिंसा की जांच के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट से यह उजागर हुआ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं के इशारे पर हिंदुओं के खिलाफ की गई थी।

जांच समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए भाजपा ने मांग की कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के संबंधित नेताओं के विरूद्ध कार्रवाई करें। पिछले महीने वक्फ संशोधन अधिनियम के विरूद्ध मुर्शिदाबाद में हिसा भड़की थी।

भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में बनर्जी से अपनी पार्टी के नेताओं के 'कुकृत्यों' के लिए माफी मांगने की भी मांग की।

तीन सदस्यीय समिति द्वारा उच्च न्यायालय को सौंपी गयी रिपोर्ट में

वक्फ संशोधन अधिनियम के विरुद्ध मुर्शिदाबाद में भड़की थी हिंसा

त्रिवेदी ने बनर्जी से पार्टी के नेताओं के 'कुकृत्यों' के लिए माफी मांगने की मांग की

कहा गया है कि एक स्थानीय पार्षद ने 11 अप्रैल को धुलियान कस्बे में हमलों का निर्देश दिया था, जबकि स्थानीय पुलिस 'निष्क्रिय और अनुपस्थित' रही।

रिपोर्ट के अनुसार, वक्फ अधिनियम में किए गए संशोधनों के खिलाफ मुर्शिदाबाद के जंगीपुर पुलिस जिले में चार अप्रैल को आंदोलन शुरू हुआ, जो आठ अप्रैल से हिंसक हो गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 अप्रैल को समसेरगंज थानाक्षेत्र के जाफराबाद में भीड़ ने दो लोगों – हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या कर दी थी।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को पढ़ते हुए त्रिवेदी ने कहा, ''सभी हमले 11 अप्रैल को दोपहर दो बजे के बाद स्थानीय पार्षद महबूब आलम के निर्देश पर किए गए, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कुछ नहीं किया।''

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा में 113 घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे लोगों को सुरक्षा के लिए अन्य स्थानों पर भागना पड़ा।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया, ''अगर पहलगाम में हिंदुओं को चुन–चुन कर मारा गया, तो मुर्शिदाबाद में भी हिंदुओं को चुन–चुन कर मारने और उनके घरों को नष्ट करने की कोशिश की गई। तृणमूल नेताओं के इशारे पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की गई।''

राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूं कि वह इन नेताओं के खिलाफ कब कार्रवाई करेंगी? मारे गए लोगों के बारे में अपनी पार्टी के नेताओं के अपमानजनक और उपहासपूर्ण बयानों के लिए वह कब माफी मांगेंगी? अदालत द्वारा नियुक्त एसआईटी की रिपोर्ट में अब सारे तथ्य सामने आ रहे हैं।''

गौरव की पाक यात्रा की तुलना भाजपा नेताओं की यात्रा से करना सेब और संतरे की तुलना जैसा: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेरगांव (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा अपनी पाकिस्तान यात्रा की तुलना लालकृष्ण आडवाणी जैसे भाजपा के दिग्गजों की यात्रा से किया जाना ''सेब और संतरे'' की तुलना करने जैसा है।

गोगोई ने पाकिस्तान की अपनी यात्रा के खिलाफ शर्मा द्वारा की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा था कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी पूर्व में पड़ोसी देश का दौरा कर चुके हैं। शर्मा और भाजपा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर आरोप लगाते रहे हैं कि उनके और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ

कोलबर्न के पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं।

मुख्यमंत्री ने रविवार को आरोप लगाया था कि गोगोई पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे, उन्होंने वहां प्रशिक्षण लिया था और पड़ोसी देश के प्रतिष्ठान के साथ निकटता से काम किया। गोगोई ने अपनी पाकिस्तान यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा कि लालकृष्ण आडवाणी, नरेन्द्र मोदी और जसवंत सिंह सहित कई भाजपा नेता भी उस देश का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनकी पाकिस्तान यात्रा के बारे में पूरी जानकारी थी। गोगोई ने कहा कि उन्होंने अपने पासपोर्ट की प्रति भी जमा कराई थी और उनकी यात्रा के बारे में छिपाने जैसा कुछ भी नहीं था। शर्मा ने बुधवार को गोलाघाट जिले के डेरगांव में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जसवंत सिंह हों, एल के आडवाणी हों या नरेन्द्र मोदी हों। वे सार्वजनिक रूप से सरकारी दायित्व के तहत गए।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह (गोगोई) इतने वरिष्ठ सांसद हैं, पार्टी के उपनेता हैं, संसद में मणिपुर के बारे में इतना बोलते हैं और उनके जैसा व्यक्ति सेब और संतरे में अंतर नहीं कर सकता।''

शर्मा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच चर्चा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्री एक–दूसरे के देश का दौरा करते हैं।

ममता ने उत्तर बंगाल के अधिकारियों से सीमा पार के खतरों के प्रति सतर्क रहने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य के उत्तरी हिस्से में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में सीमा पार से होने वाले खतरों के प्रति सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से भारी बारिश के कारण संभावित बाढ़ के मद्देनजर भी सतर्क रहने को कहा।

उत्तरी पश्चिम बंगाल की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने वाला यह क्षेत्र ''अत्यधिक संवेदनशील'' है।

उन्होंने पुलिस और प्रशासन को खासकर राष्ट्र विरोधी तत्वों की किसी भी तरह की घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए गश्त तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ''भले ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) तैनात है, लेकिन राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को भी सतर्क रहना चाहिए।''

उन्होंने अधिकारियों को गलत सूचना और फर्जी खबरों के प्रसार के खिलाफ भी आगाह किया और कहा कि किसी भी संकट के दौरान अद्यतन जानकारी केवल सरकार के माध्यम से ही प्रसारित की जानी चाहिए।

भारत-बांग्लादेश मैत्री सेतु के खुलने की उम्मीद है: चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और बांग्लादेश को जोड़ने वाली फेनी नदी पर मैत्री सेतु को चालू किया जाएगा। दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम को बांग्लादेश के रामगढ़ से जोड़ने वाली 133 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना का उद्घाटन मार्च, 2021 में किया गया था, लेकिन अभी तक इसका संचालन संभव नहीं हो पाया है। लगभग 1.9 किलोमीटर लंबा यह पुल चटगांव बंदरगाह से 72 किलोमीटर दूर स्थित है।

माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के कारण उन्हें इस मामले पर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना नहीं दिखती। उन्होंने सबरूम में संवाददाताओं से कहा, ''पड़ोसी देश की मौजूदा स्थिति पुल को चालू करने के लिए नुकसानदायक हो

सकती है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इसे खोल दिया जाएगा। लेकिन फिलहाल, मुझे इस मामले पर दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना नहीं दिखती।'' माकपा नेता ने इस मामले में भाजपा के राज्य नेतृत्व पर उदासीन रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का राज्य नेतृत्व, केंद्र को इस पुल के महत्व का एहसास कराने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पुल के जरिये त्रिपुरा के माध्यम से दोनों देशों के बीच व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''लोगों की इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए वाममोर्चा की पिछली सरकार ने लोगों और माल की आवाजाही के लिए पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की थी।''

मोदी सरकार राज्य सरकारों को बाधित करने के लिए कर रही है राज्यपाल पद का दुरुपयोग : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उच्चतम न्यायालय को भेजे गए एक संदर्भ पत्र को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार निर्वाचित राज्य सरकारों की आवाज दबाने और उन्हें बाधित करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग कर रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पिछले दिनों दुर्लभ स्थितियों में इस्तेमाल किए जाने वाले संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्तियों का उपयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय से पूछा कि क्या राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति के विचार के लिए न्यायिक आदेश के जरिये

समय–सीमा निर्धारित की जा सकती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसको लेकर गत 16 मई को केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने स्टालिन के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए आरोप लगाया, ''भारत की ताकत इसकी विविधता में निहित है – राज्यों का संघ, प्रत्येक की अपनी आवाज। मोदी सरकार उन आवाज को दबाने व निर्वाचित राज्य सरकारों को बाधित करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग कर रही है।''

राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ के बाद अब अयोध्या में बनेगा भरत पथ

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ के बाद अब अयोध्या में भरत पथ का निर्माण प्रस्तावित है। यह नया मार्ग भगवान राम के छोटे भाई और तपस्वी भरत की तपोस्थली भरतकुंड को तीर्थ स्थल से जोड़ेगा, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन–पूजन में और अधिक सुविधा मिलेगी। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 900 करोड़ रुपए है और इसका प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग ने मुख्यालय को भेज दिया है। यह मार्ग न केवल धार्मिक महत्व को बढ़ाएगा, बल्कि अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में और सशक्त करेगा। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में अयोध्या को वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित करने का कार्य तेजी से चल रहा है।

भारत के लिये कठिन होगा इंग्लैंड का दौरा : राठौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का मानना है कि युवा भारतीय टीम के लिये इंग्लैंड दौरा कठिन होगा जिसके तीन दिग्गज खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं ।

अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है । शुभमन गिल का टेस्ट कप्तान बनना तय लग रहा है जबकि शीर्ष और मध्यक्रम नया होगा ।

बीस जून से शुरू हो रही पांच मैचों की श्रृंखला के साथ विश्व

टेस्ट चैम्पियनशिप के नये चक्र का आगाज होगा । चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की छह विकेट से जीत के बाद राठौर ने कहा ,'' यह दौरा कठिन होगा क्योंकि सीनियर खिलाड़ी रिटायर हो चुके हैं । युवा टीम जा रही है और नया कप्तान होगा । इन सभी चीजों से थोड़ा दबाव बनेगा ।'' उन्होंने कहा ,'' लेकिन युवाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता दिखाने का भी मौका मिलेगा ।''राठौड़ ने कहा ,'' ये तीनों दिग्गज क्रिकेटर थे जो रिटायर हो चुके हैं । मैं चाहता था कि वे खेलते रहें लेकिन ये निजी फैसला है । मैं उन तीनों के करीब हूं । उन्होंने यह फैसला लिया है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए ।''

रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच राठौर ने 14 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की जिसने कल की जीत में अहम भूमिका निभाई । उन्होंने कहा ,'' हम पिछले कुछ समय से उसके साथ काम कर रहे हैं । शायद तीन चार महीने से । दबाव के हालात में उसे इस तरह खेलते देखना शानदार है । उसने इतनी परिपक्वता दिखाई है और इस तरह के अनुभव से वह और निखरेगा ।''

आईपीएल ने बदल दी मेरी जिंदगी : दिल्ली के हरफनमौला निगम

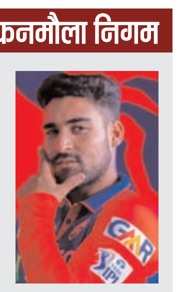

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के हरफनमौला विपराज निगम का मानना है कि आईपीएल से उनके जीवन में काफी बदलाव आये हैं और दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से मिली सीख उनके कैरियर को निखारने में काफी काम आयेगी । बीस वर्ष के निगम को दिल्ली कैपिटल्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा था । उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से प्रभावित किया है। सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के बारे में निगम ने कहा ,'' जीवन में कई बदलाव आये हैं । आईपीएल से चीजें बदल जाती है । आपको इतने बड़े सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलता है । उनसे और उनके अनुभव से सीखने का मौका मिलता है ।'' उन्होंने कहा ,'' मेरे लिये ये नये अनुभव हैं और मैं अपने खेल में इस सीख पर अमल करने की कोशिश करूंगा ।' निगम ने दिल्ली के कोचिंग स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा ,'' जब मुझे दिल्ली टीम ने चुना और उससे पहले भी मैने अपने कोचों और प्रबंधन से बात की । उन्होंने मुझे हमेशा कहा कि वे मुझे हरफनमौला के रूप में देखते हैं । उन्होंने घरेलू क्रिकेट और लीग में मेरी बल्लेबाजी देखी और संदेश साफ था कि दो से चार ओवर फेंकने के अलावा मुझे बल्लेबाजी पर भी फोकस करना है ।''

शहीदों के सम्मान में उत्तर प्रदेश सरकार शुरू करेगी अनोखा हरित अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरे राज्य में 'शौर्य वन' सहित प्रेरणादायक और विषयगत वनों की एक श्रृंखला स्थापित करने की तैयारी में है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गयी। राज्य के वन विभाग की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, इस अभियान के तहत देश के शहीदों और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में हर जिले में 'शौर्य वन' विकसित किया जाएगा।

बयान के मुताबिक ये वन न केवल हरित क्षेत्र के रूप में काम करेंगे, बल्कि आम लोगों के लिए प्रेरणादायी स्थलों और राष्ट्रीय नायकों के लिए श्रद्धांजलि स्थल के रूप में भी पहचाने जाएंगे। इसके अलावा राज्य में कई अन्य अनूठे एवं विशिष्ट वन भी स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिनमें से प्रत्येक वन किसी प्रख्यात हस्ती अथवा किसी उद्देश्य को समर्पित होगा। बयान के अनुसार इस क्रम में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रदेश में 'अटल वन' स्थापित किया जाएगा। वहीं, राष्ट्रीय एकता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और जनजातीय गौरव के प्रतीक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में क्रमश: 'एकता वन' और 'एकलव्य वन' स्थापित करने की भी योजना है। इस पहल में शहरी प्रदूषण से निपटने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए नगरपालिका क्षेत्रों में 'ऑक्सी वैन' का निर्माण भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, गौशालाओं में छायादार और चारा प्रजातियों के पौधों से 'गोपाल वन' विकसित होंगे, जो पशु कल्याण की दिशा में भी लाभप्रद होंगे।

सुविचार

दिन में एक बार अपने आप से बात करो, नहीं तो तुम इस दुनिया में किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मशाला नहीं यह देश

उच्चतम न्यायालय द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई यह टिप्पणी कि 'भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां हम दुनियाभर से आए विदेशी नागरिकों का स्वागत कर सकते हैं', कानूनी दृष्टिकोण से तो महत्त्वपूर्ण है ही, इसे विदेशी नागरिकों को आश्रय और नागरिकता देने के संबंध में एक नज़ीर भी समझना चाहिए। बेशक भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि दुनियाभर से लोग अपनी मर्जी से यहां आएं और रहें। धर्मशालाओं में रुकने के भी कुछ नियम होते हैं। लोगों को पहचान पत्र दिखाना होता है, कितने लोग हैं, कब तक रुकेंगे, कब कमरा खाली करेंगे ... जैसे सवालों के जवाब देने होते हैं। अगर किसी व्यक्ति के रुकने से शांति, व्यवस्था और सद्भाव बिगड़ने का खतरा होता है तो उसे तुरंत बाहर निकाल दिया जाता है। देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए जरूरी है कि विदेशी नागरिकों की घुसपैठ एवं अवैध निवास के मामलों में सरकारें सख्ती से पेश आएं। हाल में कई राज्यों में अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए थे। जब कभी इनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जाती है तो ऐसे कथित बुद्धिजीवी सक्रिय हो जाते हैं, जो घुसपैठियों को आवास, भोजन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार पर दबाव डालते हैं। वे न्यायालय चले जाते हैं। देश के आम नागरिक को सुविधाएं मिलें या न मिलें, वे घुसपैठियों का कल्याण सुनिश्चित करना चाहते हैं। इससे हम उन लोगों को क्या संदेश देते हैं, जो बांग्लादेश, म्यांमार जैसे देशों से भारत में घुसपैठ कर बसने की योजना बना रहे हैं? उन्हें तो यही लगेगा कि भारत में घुसपैठ करने में कोई खतरा नहीं है, उधर मौज ही मौज है।

कुछ लोग घुसपैठियों के पक्ष में बहुत अजीब तर्क देते हैं कि 'इन सरहदों में क्या रखा है, हमें तो सबके लिए बड़ा दिल रखना चाहिए, हमारा तो इतिहास ही सबको शरण देने और सबका स्वागत करने का रहा है...।' क्या इसी आधार पर अमेरिका हमारे लिए दरवाजे खोलेगा? क्या भारतीय नागरिकों को बिना वीजा, पासपोर्ट के ब्रिटेन में प्रवेश करने की अनुमति होगी? क्या कोई भारतीय पर्यटक अपनी मर्जी के मुताबिक जर्मनी में रह सकता है? इन सबका एक ही जवाब है– 'नहीं'। जब दुनिया के अन्य देश अपने नियम–कानूनों को ध्यान में रखते हुए विदेशी नागरिकों को प्रवेश और रहने की अनुमति देने या न देने का फैसला लेते हैं तो हम क्यों न लें? हजार साल पहले दुनिया कुछ और थी, आज कुछ और है। इक्कीसवीं सदी में भावनात्मक अपीलों के साथ यह तर्क काम नहीं कर सकता कि जिसकी मर्जी हो, वह भारत में प्रवेश करे और जब तक उसका मन करे, यहां रहे। हमारे देश की आबादी 140 करोड़ को पार कर चुकी है। यहां संसाधन सीमित हैं। नौकरियों के लिए संघर्ष की स्थिति है। शहरों में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हर साल गर्मियों में पेयजल संकट गहराता है। बसों, ट्रेनों में भीड़ ही भीड़ दिखाई देती है। सरकारी अस्पतालों पर भारी दबाव है। कई जगह तो मरीजों को बेड तक नहीं मिल रहे। क्या इसके बावजूद घुसपैठियों पर नरमी दिखानी चाहिए? उच्चतम न्यायालय ने भी कह दिया है, 'क्या भारत दुनियाभर से आए शरणार्थियों की मेजबानी करेगा? हम 140 करोड़ लोगों को लेकर जूझ रहे हैं ...।' जब अपने नागरिकों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं तो विदेशी नागरिकों को कहां से दे पाएंगे? इससे संसाधनों पर अधिकार को लेकर टकराव पैदा हो सकता है। अब भारत सरकार को सख्ती दिखानी होगी। देश में जो भी लोग अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें बाहर निकाला जाए। घुसपैठियों को हतोत्साहित करने के लिए कुछ असरदार कदम उठाने होंगे। भारत सबको शरण देने के लिए बाध्य नहीं है।

ट्वीटर टॉक

भारतीय रेल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय होने जा रहा है। बीकानेर में सुबह करीब 11.30 बजे अब तक रिडेवलप किए गए 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों के उद्घाटन का सौभाग्य मिलेगा। इनसे देशवासियों के लिए रेल का सफर आसान होने वाला है।

–नरेन्द्र मोदी

आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने नीति निर्माण में दूरदर्शिता और आधुनिकता की पहल के माध्यम से देश के हर वर्ग की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया।

–सचिन पायलट

सीकर, राजस्थान की दातारामगढ निवासी और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत गीता सामोता जी ने मात्र 3 दिनों में हिमालय की 5 चोटियों पर विजय प्राप्त कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

भारी प्यार का पलड़ा

एक बूढ़ी औरत सड़क किनारे रेहड़ी पर संतरे बेचती थी। अक्सर एक युवक वहां आता, संतरे खरीदता। संतरे लेने के बाद वह एक संतरा उठाता, उसकी एक फांक तोड़कर चखता और कहता, 'अम्मा, ये संतरा कम मीठा लग रहा है, ज़रा आप भी देखो।' बूढ़ी औरत भी एक फांक चखती और मुस्कुराकर कहती, 'नहीं बाबू, ये तो बहुत मीठा है!' युवक उस संतरे को वहीं छोड़ देता और बाकी संतरे लेकर गर्दन झटकते हुए आगे बढ़ जाता। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ आता था। एक दिन पत्नी ने पूछा, 'ये संतरे तो हमेशा मीठे ही होते हैं, फिर तुम हर बार ऐसी नौटंकी क्यों करते हो?' युवक मुस्कुरा कर बोला, 'अम्मा खुद संतरे नहीं खाती, और मैं चाहता हूं कि वो भी चखे। इस बहाने मैं उन्हें एक फांक खिला देता हूं।' एक दिन पास की सब्ज़ी बेचने वाली औरत ने बूढ़ी मां से पूछा, 'अम्मा, ये लड़का हर बार इतना हल्ला करता है, और मैं देखती हूं तुम उसकी बातों में आकर पलड़े में कुछ ज़्यादा ही संतरे तौल देती हो।' बूढ़ी मां ने धीमे स्वर में जवाब दिया, 'उसकी चख–चख संतरे के स्वाद के लिए नहीं होती, वो तो मुझे संतरा खिलाने का बहाना ढूंढ़ता है।

सामयिक

अवैध प्रवासियों को सर्वोच्च न्यायालय की सीधी नसीहत

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने शरणार्थियों को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनिया भर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता ने श्रीलंका से आए तमिल शरणार्थी को हिरासत में लिए जाने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए ये बात कही।

उच्चत्तम न्यायालय के न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व के. विनोद चन्द्रन की पीठ ने सुभास्करन उर्फ जीवन उर्फ राजा उर्फ प्रभा की याचिका खारिज करते हुए कहा कि क्या भारत को दुनियाभर के शरणार्थियों को शरण देनी चाहिए? हम पहले से 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं, जहां हम विदेशी नागरिकों को शरण दें। इससे पहले सुभास्करन को वापस भेजे जाने पर रोक लगाने और मद्रास हाईकोर्ट का आदेश रद्द करने की मांग करते हुए उसके वकील वैरावन एएस ने कहा था कि अगर उसे वापस श्रीलंका भेजा तो उसकी जान को खतरा है। पत्नी व बच्चा भारत में ही रहते हैं। उसे भी भारत में ही शरणार्थी शिविर में परिवार के साथ रहने की इजाजत दे दी जाए। कोर्ट ने मांग ठुकराते कहा कि इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन नहीं हुआ है, क्योंकि उसकी हिरासत वैध थी। भारत में बसने का मौलिक अधिकार भारतीय नागरिकों को प्राप्त है। सुभास्करन को वापस जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि अगर आप शरणार्थी हैं, तो आपको वापस जाना होगा। जब वकील ने श्रीलंका में जान को खतरा बताया तो कोर्ट ने कहा कि वह किसी अन्य देश में शरणार्थी का दर्जा प्राप्त करे। यहां नहीं रह सकता। सुभास्करन को यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दोषी ठहराया गया था और निचली अदलत ने 10 साल की सजा सुनाई थी। मद्रास हाईकोर्ट ने सजा घटाकर सात साल कर दी, लेकिन आदेश दिया कि सजा पूरा होने के बाद उसे तत्काल भारत छोड़ना होगा।

देश के उच्चत्तम न्यायालय के आदेश से स्पष्ट हैं कि भारत कोई धर्मशाला नहीं कि कोई भी ऐरा गैरा आकर ठहर जाए लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि पं. बंगाल सहित देश के कई राज्यों में अवैध रूप से बांग्लादेश के नागरिक लाखों नहीं, करोड़ों की संख्या में बसे हुए हैं और उन्हें यहां बसाने का कार्य केवल और केवल

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने आदेश में देश के संसाधनों सुरक्षा और सरकार की मंशा को ही जाहिर किया है। समाज और सरकार दोनों को अवैध रूप से रह रहे श्रीलंका, पाकिस्तान या बांग्लादेश सहित अन्य देशों से आए लोग जो अवैध ढंग से रह रहे को चिन्हित कर उनके पैतृक देशों में भेजने का कार्य शुरू करना चाहिए।

राजनीतिक लाभ हानि को मद्देनजर रखकर दशकों से होता चला आ रहा है। अवैध ढंग से आए लोगों के राशन कार्ड से लेकर आधार कार्ड तक बन जाते हैं और यह लोग यहां मतदान करने में भी सफल हो जाते हैं। सरकार और सुप्रीम कोर्ट का रुख देश की सुरक्षा के पक्ष में है। दूसरी ओर ये कुछ मानवाधिकार संगठन और कुछ विपक्षी दलों के नेता हैं, जिन्हें देश की सुरक्षा से अधिक रोहिंग्या एवं ऐसे ही अन्य निर्दोष शरणार्थी नजर आते हैं। आश्चर्य होता है कि सुप्रीम कोर्ट के दो टूक कहने के बाद भी मानवाधिकार का हवाला देने वाले बार–बार उसके पास पहुंच रहे हैं! न्यायालय अपनी ही बात दोहरा रहा है कि शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा जारी पहचान पत्र उनके लिए कोई मददगार नहीं हो सकते हैं।' वास्तव में यदि वे विदेशी अधिनियम के अनुसार विदेशी हैं, तो उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। इन्हें तत्काल निर्वासित किया जाए।

दूसरी ओर इन घुसपैठियों को भारत को बाहर करने के सुप्रीम निर्णय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की सभी राज्यों के लिए निर्देश ने एक नई दिशा भी दे दी है। केंद्र सरकार द्वारा सभी राज्यों से कहा गया है कि अवैध अप्रवासियों का वेरिफिकेशन करने के लिए एक महीने की डेडलाइन है। गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अवैध घुसपैठियों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने के लिए अपनी वैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करने को कहा है। इसके लिए आवश्यकतानुसार ऐसे व्यक्तियों को रखने के लिए पर्याप्त जिला–स्तरीय डिटेंशन सेंटर स्थापित करने के लिए भी कहा गया है।गृह मंत्रालय ने बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध घुसपैठियों होने का संदेह रखने वाले उन लोगों के प्रमाण–पत्रों को सत्यापित करने के लिए 30 दिन की समय–सीमा तय की है जो भारतीय नागरिक होने का दावा करते हैं। स्वाभाविक तौर पर अब ऐसे में यही माना जा रहा है कि 30 दिन की अवधि के बाद यदि किसी के दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया जाता है तो उन्हें निर्वासित किया ही जाएगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बांग्लादेशियों को अवैध रूप से बसाने में कांग्रेस नेता का हाथ सामने आ रहा है। एटीएस को जांच में पता चला है कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के दौरान पार्षद रहे अमित दास ने अवैध घुसपैठियों का सहयोग किया। दास ने पद का गलत इस्तेमाल किया। अवैध घुसपैठियों को स्थानीय निवासी होने का प्रमाण पत्र अपने लेटर हैड पर दिया। इसके आधार पर राशन कार्ड, आधार कार्ड बनाए गए। एटीएस के अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेशी भाइयों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया जा चुका है। वहीं दिल्ली में कालिंदी कुंज स्थित मस्जिद में रह रहे आठ रोहिंग्या पकड़े गए।

भारत की बढ़ती जनसंख्या अपने आप में देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। उसके साथ ही अगर अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान, बांग्लादेश के नागरिकों को भारत में बसने की खुली छूट दी जाएगी तो मामला काफी गंभीर हो जाएगा। अवैध रूप से रहने वाले लोगों को जीवन की बुनियादी सुविधाएं तो देनी ही पड़ेंगी। 140 करोड़ लोगों को बुनियादी सुविधाओं देना भी आज एक चुनौती से कम नहीं, देश के गरीब लोगों के लिए सराकर ने एक नहीं अनेक योजनाएं चलाई हुई हैं।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने आदेश में देश के संसाधनों सुरक्षा और सरकार की मंशा को ही जाहिर किया है। समाज और सरकार दोनों को अवैध रूप से रह रहे श्रीलंका, पाकिस्तान या बांग्लादेश सहित अन्य देशों से आए लोग जो अवैध ढंग से रह रहे को चिन्हित कर उनके पैतृक देशों में भेजने का कार्य शुरू करना चाहिए। अगर ऐसा न हुआ तो अवैध रूप से रह रहे लोग भारत के विकास में एक बड़ी बाधा के रूप में सामने आयेंगे। देश भर में जिस तरह से बड़े पैमाने पर की राजनीतिक दलो और उनकी सरकारों ने धर्म विशेष के तुष्टिकरण की राजनीति के चलते वोट के लालच में अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने और भारत में पनाह देने का काम लंबे समय तक किया इस के कारण की प्रदेशों और क्षेत्रों की डेमोग्राफी खतरे में है अब यह चलने वाला नहीं है हर घुसपैठिये और अवैध प्रवासी को देश की सीमाओं के पार करना चाहिए।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का

सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है। आत्मा की शक्ति है मन संवेदनशीलता और सही दिशा।

नजरिया

जब अपनों ने ही बेचा देश

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

मुट्ठी भर मुगल और अंग्रेज देश पर सदियों राज नहीं करते यदि भारत में गद्दार प्रजाति न होती। यह वाक्य भारतीय इतिहास की एक कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जो बताता है कि बाहरी आक्रमणकारी सिर्फ अपनी ताकत के बल पर ही नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात और स्वार्थ के चलते भी सफल हो पाए। यह कहानी केवल तलवार और तोप की नहीं है, बल्कि मानसिक गुलामी और आत्मसमर्पण की भी है।

भारत के इतिहास में कई ऐसे अवसर आए जब कुछ लोगों ने स्वार्थ, व्यक्तिगत लाभ या सत्ता की भूख के कारण देश के सामूहिक हितों को दरकिनार कर विदेशी ताकतों का साथ दिया। यह गद्दारी केवल सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बनी, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आत्मसम्मान को भी गहरी चोट पहुंचाई। चाहे वह जयचंद का पृथ्वीराज चौहान के खिलाफ मोहम्मद गौरी का साथ देना हो, या मीर जाफर का प्लासी की लड़ाई में अंग्रेजों के पक्ष में खड़ा होना – इन सभी घटनाओं ने इतिहास की दिशा ही बदल दी।

सत्ता की लालसा और निजी स्वार्थ इतिहास गवाह है कि जब भी बाहरी आक्रमणकारियों ने भारत पर नजर डाली, उन्हें यहां सत्ता के भूखे सहयोगी मिल गए। ये सहयोगी केवल सत्ता की चाहत में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दुश्मनियों, जातिगत भेदभाव और आपसी ईर्ष्या के कारण भी गद्दारी की राह पर चल पड़े। यह स्वार्थ और निजी महत्वाकांक्षाएं ही थीं जिन्होंने साम्राज्यों को मजबूत होने से रोका और भारतीय एकता को खंडित कर दिया।

मुगल आक्रमण और जयचंद का विश्वासघात पृथ्वीराज चौहान और मोहम्मद गौरी के संघर्ष की

कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है। 1192 में तराइन की दूसरी लड़ाई में जयचंद ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थों और सत्ता की लालसा में मोहम्मद गौरी का समर्थन किया। इस विश्वासघात ने केवल पृथ्वीराज की हार को सुनिश्चित नहीं किया, बल्कि पूरे उत्तर भारत को एक लंबे समय के लिए मुस्लिम आक्रमणकारियों के हवाले कर दिया। इसके बाद मुगलों का भारत में विस्तार शुरू हुआ। बाबर ने पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में इब्राहिम लोदी को हराकर दिल्ली की सत्ता पर कब्जा कर लिया, और इसके बाद का इतिहास मुगलों के साम्राज्य की स्थापना का गवाह बना। अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब जैसे शासकों ने इस साम्राज्य को और मजबूत किया, लेकिन इसके पीछे कई स्थानीय शासकों की गद्दारी और सहयोग भी था। राजपूतों से लेकर दक्षिण के कुछ राज्यों तक, कई बार स्वार्थ और निजी हितों ने साम्राज्य के विस्तार में मदद की।

मीर जाफर और प्लासी की लड़ाई 1764 में बंगाल में प्लासी की लड़ाई एक और ऐसा उदाहरण है जहां मीर जाफर ने सिराजुद्दौला के खिलाफ अंग्रेजों का साथ दिया। उसकी गद्दारी ने न केवल बंगाल की स्वतंत्रता को खत्म किया, बल्कि अंग्रेजी शासन की नींव भी रख दी, जिसने धीरे–धीरे पूरे भारत को अपने शिकंजे में ले लिया। मीर जाफर की गद्दारी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की प्रतीक थी जो अपने स्वार्थ के लिए देश को पराधीनता में झोंकने को तैयार थी। उसकी इस गद्दारी ने न केवल बंगाल की संपन्नता को छीन लिया, बल्कि पूरे भारत को गुलामी के काले दौर में ढकेल दिया।

गद्दारी के और भी उदाहरण ऐसे ही एक और उदाहरण में नाना साहिब के सेनापति तांत्या टोपे को भी धोखा दिया गया था, जिसके कारण 1857 का स्वतंत्रता संग्राम असफल हो गया। ब्रिटिश अधिकारियों ने भारतीयों के बीच फूट डालकर अपनी पकड़ मजबूत की। चाहे झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का किला हो या कुंवर सिंह की वीरता, हर जगह गद्दारी की छाया ने स्वतंत्रता के सपने को कुचलने में बड़ी भूमिका निभाई।

भारत–पाकिस्तान संघर्ष में गद्दारी यह गद्दारी केवल इतिहास तक सीमित नहीं है। 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भी कुछ ऐसे मामले सामने आए जब गुप्त सूचनाएं दुश्मन को बेची गईं। पाकिस्तान को भारतीय सेना की गतिविधियों और मूवमेंट की जानकारी देने वाले कुछ गद्दारों ने हमारे सैनिकों की जान को खतरे में डाला। इसके अलावा, समय–समय पर भारतीय सुरक्षा बलों और सेना में घुसे कुछ ऐसे तत्व भी पकड़े गए हैं जो पैसे और निजी लाभ के लिए दुश्मन देशों के लिए जासूसी करते रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत लालच का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने की मानसिकता का हिस्सा है।

गद्दारी की आधुनिक परछाइयाँ आज भी, जब हम अपने आसपास देखते हैं, तो यह गद्दारी की परंपरा खत्म नहीं हुई है। सत्ता, धन और व्यक्तिगत लाभ के लिए कुछ लोग राष्ट्रीय हितों को ताक पर रख देते हैं। यह प्रवृत्ति केवल इतिहास की बात नहीं, बल्कि आज के लोकतांत्रिक भारत में भी गहराई से जड़ें जमा चुकी है। राजनीतिक दल, बड़े उद्योगपति और कई बार मीडिया भी इसी स्वार्थ की राह पर चलते दिखते हैं। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की लूट, गरीबों के हक की अनदेखी, और राजनीतिक स्वार्थों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता – ये सब आधुनिक गद्दारी के ही रूप हैं। आज भी कई बार राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कर व्यक्तिगत या दलगत स्वार्थों को प्राथमिकता दी जाती है।

इतिहास की इन कहानियों से हमें यह सीखने की जरूरत है कि जब भी देश के सामूहिक हितों की अनदेखी कर निजी स्वार्थों को तरजीह दी जाती है, तो न केवल एक व्यक्ति या क्षेत्र, बल्कि पूरी सभ्यता उसका खामियाजा भुगतती है। आज आवश्यकता है कि हम इन भूलों से सबक लें और एकजुटता, देशप्रेम और आत्मसम्मान की भावना को फिर से जागृत करें। हमें यह याद रखना होगा कि गद्दारी केवल अतीत की बात नहीं, बल्कि एक वर्तमान चुनौती भी है, जिसे समझना और रोकना हमारी जिम्मेदारी है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर 'खालसा तिरंगा यात्रा' के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री आशीष सूद अन्य लोगों के साथ।

पाकिस्तान के सिंध में सिंधु नदी पर नहर निर्माण के विरोध में हिंसक प्रदर्शन, दो लोगों की मौत

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बुधवार को सिंधु नदी पर नई नहरों के निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन के हिंसक हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अस्पताल सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सिंधी सबा नेशनलिस्ट पार्टी का विरोध प्रदर्शन मोरो शहर, मतियारी और नौशेरा फिरोज जिले में तब हिंसक हो गया जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध करने से रोकने के लिए बल प्रयोग किया।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर पथराव किए जाने से कम से कम छह पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नवाबशाह स्थित पीपुल्स मेडिकल यूनिवर्सिटी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यार मोहम्मद जमाली ने बताया कि घायलों में कम से कम पांच लोगों को गोली लगी है।

दो लोगों की मौत की खबर फैलने के बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी और मालवाहक ट्रकों को लूट लिया तथा एक पेट्रोलियम कंपनी के कार्यालय में तोड़फोड़ की। उन्होंने सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजार के घर में भी तोड़फोड़ की तथा कमरों और फर्नीचर को आग के हवाले कर दिया।

लंजार ने कहा कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए और इससे लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''लेकिन हिंसा को सहन नहीं किया जाएगा।''

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही नई नहरों पर जारी काम को स्थगित करने की घोषणा कर दी है तथा निर्णय लिया है कि सभी प्रांतों की मंजूरी के बिना कोई भी नई नहर नहीं बनाई जाएगी।

'हेरा फेरी 3' न भी बने, तब भी परेश और अक्षय के बीच द्वेष नहीं देखना चाहता: सुनील शेट्टी

नई दिल्ली/भाषा। हेरा फेरी फिल्म शृंखला के तीन मुख्य अभिनेताओं में से एक अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि वह अपने साथी कलाकारों अक्षय कुमार और परेश रावल के बीच कोई द्वेष नहीं चाहते। रावल इस सीरीज की तीसरी फिल्म हेरा-फेरी में अभिनय करने वाले थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने इससे हटने का फैसला किया है।

फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन करने वाले हैं। इससे पहले की फिल्मों में रावल ने बाबू भैय्या, कुमार ने राजू और शेट्टी ने श्याम की भूमिका निभाई थी।

हेरा फेरी 3 की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। पिछले हफ्ते रावल के अचानक हटने के बाद फिल्म पर अनिश्चितता मंडरा रही है।

खबरों के अनुसार हेरा फेरी 3 के निर्माता के रूप में भी काम करने जा रहे कुमार ने रावल के इस फैसले के लिए उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

शेट्टी ने कहा कि वह रावल के फिल्म से हटने से दुखी हैं, लेकिन वह नहीं चाहते कि उनके सह-

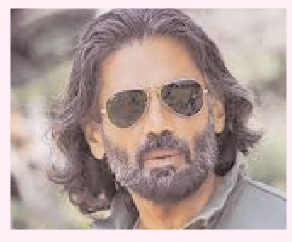

कलाकारों के बीच चीजें खराब हों। उन्होंने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं दुखी हूं, (लेकिन) मुझे विश्वास है कि सब ठीक हो जाएगा। मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता, क्योंकि मैंने इसके बारे में मीडिया से सुना है। मुझे उम्मीद है कि चीजें ठीक हो जाएंगी। अगर फिल्म नहीं भी बनती है, तो भी मैं परेश और अक्षय के बीच कोई द्वेष नहीं चाहूंगा।

शेट्टी (63) की अगली फिल्म केसरी वीर है, जिसमें वह सूरज पंचोली और नवोदित अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा के साथ अभिनय करते करेंगे।

फिल्म 14वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों से सोमनाथ मंदिर को बचाने के लिए लड़ने वाले योद्धाओं की कहानी है। फिल्म में शेट्टी ने वेगडाजी भील नामक योद्धा की भूमिका निभाई है। प्रिंस धीमान द्वारा निर्देशित केसरी वीर का निर्माण चौहान स्टूडियो के कनुभाई चौहान ने किया है। शेट्टी इस फिल्म के साथ ही ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित फिल्मों में वापसी करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2006 में जेपी दत्ता की उमराव जान में अभिनय किया था।

शेट्टी ने कहा कि ऐसी फिल्में बनाना मुश्किल होता है और निर्माताओं को विषय के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, उसे (निर्माता को) यह स्पष्ट होना चाहिए कि जिस विषय पर वह फिल्म बनाने जा रहा है वह सही है। ऐतिहासिक घटनाओं पर फिल्म बनाने में बहुत सारे पहलू शामिल होते हैं। वेशभूषा, छायांकन, कला निर्देशन और प्लेबैक म्यूजिक सभी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह सबकुछ टीम वर्क होता है। जब आपके पास एक मजबूत टीम नहीं होती है, तो आप इस तरह की फिल्म बनाने की हिम्मत नहीं करते। ऐसी फिल्म महंगी भी होती हैं।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने महामारी समझौते का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की

जिनेवा/भाषा

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयसस ने विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र में डिजिटल माध्यम से शामिल होने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। विश्व स्वास्थ्य सभा के इस सत्र में महामारी समझौते को मंजूरी दी गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने मंगलवार को सर्वसम्मति से दुनिया के पहले महामारी समझौते को मंजूरी दी, ताकि वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और

भविष्य में फैलने वाली महामारियों के लिए एक मजबूत और अधिक न्यायसंगत प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

टेड्रोस ने 'एक्स' पर लिखा, ''नमस्ते, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विश्व स्वास्थ्य सभा के ऐतिहासिक 78वें सत्र में डिजिटल माध्यम से हमारे साथ जुड़ने के लिए। हम डब्ल्यूएचओ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आभारी हैं।

सत्र के दौरान मंगलवार को अपने वीडियो संदेश में मोदी ने कहा था कि स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेशिता, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण 'ग्लोबल साउथ' की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकरणीय, संतुलित और टिकाऊ मॉडल प्रदान करता है।

मुलाकात

डीएमके नेता और लोकसभा सांसद कनिमोझी करुणानिधि बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करती हुई।

पायल घोष ने तुर्की यात्रा की रद्द, कहा- पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते', पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया। पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता। पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती। जय हिंद! हाल ही में फिल्म एक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने तुर्की जैसे देशों का बहिष्कार करने की मांग की थी। नीतू का कहना है कि जो भी देश आतंकवादियों का साथ देते हैं, उनके खिलाफ भारत को कड़ा कदम उठाना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है ताकि देश की सुरक्षा सुनिश्चित हो और संस्कृति को बचाया जा सके। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि आतंकवाद को किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता, चाहे वह कहीं भी हो। इसमें हमेशा निर्दोष लोग ही परेशान होते हैं। जो भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, भारत को उसका बहिष्कार करना चाहिए। हम पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं।उन्होंने आगे कहा, मेरी लोगों से बस यही अपील है कि कोई भी कदम उठाने से पहले अच्छे से सोचें। हमें इंसानियत के साथ यह लड़ाई लड़नी है, लेकिन एक इंसान होने के नाते हमें जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए। ध्यान रखें कि आपका समर्थन किसके साथ है और उसका मकसद क्या है।

'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा भारतीय सेना के शौर्य और साहस को दर्शाने के लिये 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। रणदीप हुड्डा अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। रणदीप की आने वाली फिल्म का नाम 'ऑपरेशन खुकरी 'है। रणदीप हुड्डा ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह फिल्म भारतीय सेना के सबसे साहसी और विदेशों में बचाव अभियानों में से एक को पर्दे पर पेश करेगी। यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे। मेजर जनरल राजपाल पुनिया ने उस मुश्किल हालात के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला था।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन

तक दुश्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जोड़ दिया। मेजर जनरल पुनिया का रोल निभाना मेरे लिए एक सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा मकसद भारतीय सेना के इतिहास के उस अध्याय को लोगों के सामने लाना है, जिसे उतनी पहचान नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी। हमारे सैनिकों की उस भावना के लिए, जो कहती है कि हम मर जाएंगे लेकिन हार नहीं मानेंगे। , मुझे लगता है कि यह कहानी हर भारतीय को प्रेरित करेगी। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' की स्क्रिप्ट पर काम जोरों पर है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा।

मुंबई में फिल्म 'ठग लाइफ' के हिंदी ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन, त्रिशा कृष्णन और संगीतकार ए.आर. रहमान।

जुलाई में रिलीज होगी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी । अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। अनुपम खेर ने इस फिल्म के निर्देशन करने के अलावा इसमें अभिनय भी किया है। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का नया पोस्टर शेयर करके इस फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी शेयर की है। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, लोग उसे अलग कहते थे, लेकिन उसने कभी इसे कमजोरी नहीं समझा. जबकि दुनिया ने उसे एक-एक करके बक्सों में फिट करने की कोशिश की, उसने उन्हें एक-एक करके तोड़ना चुना। तन्वी द ग्रेट एक रिमाइंडर है कि अलग होना आपको कम नहीं बनाता है, यह आपको अजेय बनाता है। तन्वी द ग्रेट का पहला पोस्टर. ताकत, सपनों और अजेय साहस की कहानी। 18 जुलाई को सिनेमाघरों में तन्वी से मिलें। पोस्टर में इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री शुभांगी दत्त नजर आ रही हैं। वह इस फिल्म से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू कर रही हैं। फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में अनुपम खेर और शुभांगी दत्त के अलावा बोमन ईरानी,इयान ग्लेन जैकी श्रॉफ,अरविंद स्वामी ,पल्लवी जोशी ,करण टैकर और नासिर ने अहम भूमिका निभायी है। फिल्म तन्वी द ग्रेट में ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने संगीत दिया है। इस फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) के साथ मिलकर किया है।

'बॉर्डर-2' का सेट : सनी देओल से सीईओ तिवारी की सकारात्मक चर्चा

देहरादून/एजेन्सी

उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बंशीधर तिवारी ने मंगलवार को देहरादून के हल्दूवाला स्थित बॉर्डर-2 के सेट पर प्रसिद्ध अभिनेता सनी देओल और निर्देशक अनुराग सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ परिषद के संयुक्त सीईओ डॉ. नितिन उपाध्याय भी मौजूद थे। इस दौरान, उत्तराखंड की फिल्म नीति, लोकेशन विविधता और राज्य सरकार की ओर से दिए जा रहे समर्थन पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बनी उत्तराखंड की वर्तमान फिल्म नीति को देश की सबसे प्रगतिशील नीतियों में एक माना जा रहा है, जहां फिल्म निर्माताओं को समय से शूटिंग की अनुमति, प्रशासनिक सहयोग और स्थानीय संसाधनों की सहज उपलब्धता मिलती है। तिवारी ने बताया कि यहां फिल्म यूनिट को जिस तरह का सकारात्मक और सहज वातावरण मिल रहा है, वह प्रदेश को फिल्म निर्माण की दृष्टि से एक सशक्त गंतव्य बनाता है।

सनी देओल भी इस दौरान काफी सहज और उत्साहित नज़र आए। बॉर्डर-2 की बात करें तो यह फिल्म जेपी दत्ता, निधि दत्ता और टी-सीरीज़ के प्रोडक्शन में बन रही है, जिसकी शूटिंग फरवरी से देहरादून में चल रही है। केसरी फेम अनुराग सिंह इसके निर्देशक हैं और इसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे प्रमुख कलाकार शामिल हैं। फ़िल्म के प्रोड्यूसर बिनोय गांधी ने बताया कि फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित है और इसके लिए देहरादून के हल्दूवाला क्षेत्र में कश्मीर के एक गांव का भव्य सेट बनाया गया है। सेट निर्माण की शुरुआत पिछले साल नवंबर में हुई थी। फिल्म में युद्ध के सीन, टैंक और सेना के मूवमेंट जैसे दृश्य शामिल हैं और इसका विजुअल प्रजेंटेशन वीएफएक्स के लिहाज़ से भी बेहद महत्वपूर्ण है। फिल्म के आर्ट डायरेक्टर मयूर शर्मा हैं और एक्शन डायरेक्शन की जिम्मेदारी रवि वर्मा निभा रहे हैं, जो पहले जाट जैसी फिल्मों में भी अपने काम के लिए सराहे जा चुके हैं।

इस प्रोजेक्ट से रोज़ाना लगभग 350 स्थानीय लोगों को काम मिल रहा है। फिल्म बॉर्डर-2 के अलावा, इस समय उत्तराखंड में कई प्रमुख फिल्मों की शूटिंग चल रही है। तनु वेड्स मनु फेम निर्माता विनोद बच्चन की फिल्म गिन्नी वेड्स सनी-2 की शूटिंग देहरादून में हो रही है, जिसमें अविनाश तिवारी और 12वीं फेल फेम एक्ट्रेस मेधा शंकर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके साथ गोविंद नामदेव और सुधीर पांडे जैसे अनुभवी कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। वहीं, अन्नू कपूर, पवन मल्होत्रा और बिजेंद्र काला अभिनीत कॉमेडी सटायर 'उत्तर दा पुत्तर' की शूटिंग देहरादून और ऋषिकेश में चल रही है।

उत्तराखंडी सिनेमा को प्रोत्साहन देने के तहत इन दिनों गढ़वाली भाषा की तीन फिल्में मारचा, तेरी माया और नमक की शूटिंग क्रमशः देहरादून, टिहरी और उत्तरकाशी में हो रही है। राज्य सरकार की पहल से इन फिल्मों को स्थानीय लोकसंस्कृति, परंपरा और बोली के साथ तकनीकी संसाधनों का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है, जिससे क्षेत्रीय सिनेमा को एक नई दिशा और पहचान मिल रही है।

वहीं, बीते कुछ समय में उत्तराखंड में कई उल्लेखनीय हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिनमें 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो', 'तिकड़म', 'दो पत्ती', 'पुतुल', 'रौतू का राज', 'तन्वी द ग्रेट', 'पास्ट टेंस', 'केसरी 2' और 'मेरे हसबैंड की बीवी' प्रमुख हैं। वर्ष 2024 -25 में उत्तराखंड सरकार द्वारा 225 शूटिंग अनुमतियाँ जारी की गईं ।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्म और संयम के बिना हमारी आत्मा का उद्धार नहीं हो सकता है। हमें स्व और पर का भेद करते हुए अपनी आत्मा को स्व यानि अपनी जानकर उसके उत्थान की ओर कदम बढ़ाना है। बाह्य जगत के सभी कार्य होते रहेंगे लेकिन हमें अपनी आत्मा के लिए हमेशा जागृत रहना है और धर्म आराधना में सतत जुड़े हुए रहना है।

तिरंगा यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के गणपति इलाके में बुधवार को शाम बीजेपी तिरंगा यात्रा निकाली गई। कोयम्बटूर शहर भाजपाजिला अध्यक्ष जे. रमेश कुमार के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर तिरंगा झंडा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में देश प्रेमियों ने भाग लिया। ब्रह्मोस मिसाइल की झांकी भी बनाई गई।

मंगलपाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में दादी परिवार द्वारा हर माह किए जाने वाले राणी सती दादी का मंगल पाठ का आयोजन किया गया। रायपुरम् स्थित गणेश मंदिर में गणेश वंदना के साथ शुरु हुए इस मंगल पाठ में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। पाठ के उपरांत महाआरती और मीठे भजनों का आयोजन किया। दादी परिवार की अध्यक्ष शिलाशाह एवं दादी परिवार कि पदाधिकारी सरोज पित्ती, विरा कामदार , मिनाक्षी सरावगी, मंजु पारस , चंदा डिडवानिया, सरिता तुलस्यान, प्रभा तोदी, सुमन गुप्ता आदि उपस्थित थीं।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर के सदस्यों ने बुधवार को विधायक महेश टेंगिनकाई से मुलाकात कर उन्हें नवकार महामंत्र दिवस के आयोजन के लिए सहयोग देने के लिए सम्मानित किया। जीतो के सचिव प्रवीण चौधरी, राहुल सुराणा, युवा उपाध्यक्ष भरत गुलेच्छा और प्रदीप जैन ने टेंगिनकाई को नवकार महामंत्र का एक विशेष रूप से तैयार किया गया फ्रेम भेंट किया।

समुद्री यात्रा पर निकली जीतो नार्थ लेडीज विंग की सदस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) लेडीज़ विंग, केकेजी जोन एवं बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में एक विशेष एवं रोमांचक चार दिवसीय समुद्री यात्रा एस्केप टू पैराडाइज-कोर्डिला क्रूस टूर का शुभारंभ बुधवार को हुआ। इस यात्रा में लगभग 34 प्रतिभागी कोचि, लक्षद्वीप और मुंबई जैसे मनोहारी स्थलों की सैर करेंगे। यह यात्रा मनोरंजन के साथ आत्मिक शांति, सामाजिक मेल-मिलाप और नेटवर्किंग को भी नई दिशा देगी। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना ने सभी का स्वागत किया।

योजना संयोजिका संगीता मुथा एवं सह-संयोजिका प्रेमा रांका ने यात्रा की जानकारी दी। सहमंत्री मीना बड़ेरा और कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। पूर्व अध्यक्ष मधु डोशी, साधना धोका, केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफ़ना, महामंत्री दिलीप जैन, लेडीज़ विंग संयोजिका पिंकी जैन, नार्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी एवं लेडीज़ विंग संयोजक नेमीचन्द दलाल ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं दी।

गणिवर मनीषप्रभसागर के अवतरण दिवस पर किया प्रभु का विशेष अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

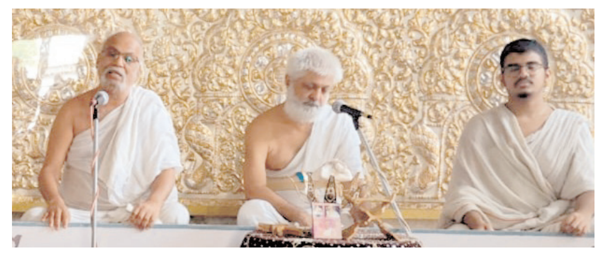

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में बुधवार को खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य गणिवर मनीषप्रभसागरजी का 57वां अवतरण दिवस मनाया गया। इस निमित्त अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत करते हुए गुरुदेव को अवतरण दिवस की शुभकामनाएं दी। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने भी गुरुदेव की लम्बी उम्र की कामना की। राजेन्द्र कुमार गुलेच्छा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गुरुवर को समर्पित गीतिकाएं प्रस्तुत की। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने मनीषप्रभसागरजी के संयम जीवन पर प्रकाश डाला।युवा परिषद के मंत्री विकास खटोड़, श्वेता जैन और महिला मंडल के सदस्याओं ने गीत के माध्यम से बधाई दी। इस अवसर पर प्रातः भोर वेला में विमलनाथ परमात्मा के अभिषेक के साथ शक्रस्तव पूजन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी की निश्रा में हितेश गुलेच्छा ने करवाया। अरविन्द चोपड़ा एवं अन्य सदस्यों गीतों की प्रस्तुति दी। प्रवचन के दौरान सामूहिक सामायिक का आयोजन भी किया गया तथा शाम को मुनिराज ने संध्या भक्ति में परमात्मा की स्तुतियां गायी। मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी व मलयप्रभसागरजी ने शुभकामनाएं दी। मुकुलप्रभसागरजी और मतीषप्रभसागरजी ने गुरुदेव के संग बिताए समय के अपने संस्मरणों को बताया। गणिवर्य मनीषप्रभसागरजी ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि धर्म और संयम के बिना हमारी आत्मा का उद्धार नहीं हो सकता है। हमें स्व और पर का भेद करते हुए अपनी आत्मा को स्व यानि अपनी जानकर उसके उत्थान की ओर कदम बढ़ाना है। बाह्य जगत के सभी कार्य होते रहेंगे लेकिन हमें अपनी आत्मा के लिए हमेशा जागृत रहना है और धर्म आराधना में सतत जुड़े हुए रहना है। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, पुखराज कवाड़ के साथ ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

कोठारी बने सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलंहका के अध्यक्ष, लुकड़ बने महामंत्री

ज्ञानमुनिजी के चातुर्मास की तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। संतश्री ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी का इस वर्ष 2025 का चातुर्मास सुमतिनाथ जैन आराधना भवन यलंहका में होने जा रहा है। आगामी चातुर्मास की व्यवस्था हेतु आयोजित बैठक में सभी सदस्यों ने मिलकर सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलंहका का गठन किया जिसमें संयोजक नेमीचंद लुकड़ को नियुक्त किया गया तथा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्रकाशचन्द कोठारी व महामंत्री पद की जिम्मेदारी मनोहरलाल लुकड़ को सौंपी गई है। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ को, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा को, उपाध्यक्ष विमलचंद सुराणा व कांतिलाल हरण को, मंत्री प्रवीणकुमार तलेसरा व संदीपकुमार कोटेचा को बनाया गया है। नवनंदित लुकड़ व गौतम तातेड़ को वैयावच्च, अशोक लुकड़ व सुमति विनायकिया को आवास निवास, राजेश विनायकिया को भोजन समिति, संतोष खिंवेसरा व संदीप विनायकिया को रविवारीय व्यवस्था सौंपी गई। बैठक में चातुर्मास व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई व कई निर्णय लिए गए।

तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा का हुआ गठन

राजकुमार कोटेचा बने संयोजक एवं दिलीप खटेड़ बने सहसंयोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी एवं आदित्यकुमारजी उपनगरीय यात्रा के अंतर्गत जिगनी, बन्नरघट्टा रोड, एसएनएन अपार्टमेन्ट, क्लासिक ऑर्चिड, हीरानंदानी अपार्टमेन्ट, अक्षयनगर आदि क्षेत्रों में श्रावक समाज की आध्यात्मिक सार-संभाल कर रहे हैं। मुनिश्री की प्रेरणा से इन क्षेत्रों के वासियों को संगठित करने हेतु जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा का गठन किया गया। मुनिश्री पुलकितकुमारजी ने कहा कि संगठन का विशेष महत्व होता है। श्रावक समाज की अनेक धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तेरापंथ सभा का निर्माण किया जाता है। गुरुदेव की दृष्टि में वह क्षेत्र विशिष्ट बन जाता है, जहां जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सक्रिय रहती है। इस क्षेत्र में 80 तेरापंथी परिवारों की उपस्थिति है और यह संख्या और भी बढ़ने की संभावना है। मुनिश्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी के लिए यह तेरापंथ सभा का गठन, ज्ञानशाला, महिला मंडल की सामायिक, युवकों की धम्म जागरण आदि में आध्यात्मिक गति एवं प्रगति प्रदान करने वाला होगा। मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने गीत के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की। तेरापंथ महासभा के दक्षिणांचल प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने नवगठित तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा के संयोजक (अध्यक्ष) राजकुमार कोटेचा एवं सहसंयोजक दिलीप खटेड़ को शुभकामनाएं देते हुए सभा कार्य संचालन की निर्देशिका सौंपी। ज्ञानशाला के दक्षिणांचल प्रभारी माणकचंद संचेती ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उपासक विनोद कोठारी ने सभी का स्वागत किया तथा अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर महासभा से संजय बांठिया, कन्हैयालाल खटेड, अभय कोटेचा, संतोष गोठी, राकेश कोटेचा, विपुल दुग्गड़ सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने आयोजित की 'जायका-पेट से दिल तक' पाक कला प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा सोमवार को बलदोटा हॉस्टल में पाक कला प्रतियोगिता ज़ायका-पेट से दिल तक' का आयोजन किया गया। हेल्थ एंड न्यूट्रिशन वर्टिकल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में लेडीज़ विंग साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। संयोजिका कविता मुथा ने नियमों को विस्तार से समझाया। प्रतिभागियों को तय समय में एक स्टार्टर, एक मुख्य व्यंजन और एक डेसर्ट बनाने का कार्य दिया गया, जिसमें स्वाद और पौष्टिकता दोनों का ध्यान रखना था।जज के रूप में प्रसिद्ध कुलिनरी एजूकेटर विमकी गिरिया और लोकप्रिय फूड इन्फ्लुएंसर पूजा बोथरा ने हर प्रतिभागी से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनके व्यंजनों की सामग्री, यूएसपी और न्यूट्रिशन वैल्यू को समझा।

जजों का परिचय सहसंयोजिका अंगिका बाफना ने कराया। संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया। जीतो लेडीज़ विंग केकेजी जोन संयोजिक पिंकी जैन ने बताया कि प्रथम विजेता श्वेता बोकाड़िया और द्वितीय विजेता अर्पिता लाधानी 28 जून को बेल्लारी में आयोजित होने वाली ज़ोनल ज़ायका प्रतियोगिता में बेंगलूरु साउथ का प्रतिनिधित्व करेंगी। तीसरा स्थान पाने वाली संतोष मेहता तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में अपेक्स, केकेजी जोन व दोनों चैप्टर की लेडीज विंग की सदस्याएं उपस्थित थी। अंगिका बाफना ने धन्यवाद दिया।

व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान होता है : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुलबागल। शहर के जैन स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि उपासना स्थल पर नारी, पुरुष, पशु, पक्षी सभी को साधना करने का समान अधिकार है। मुनिश्री ने हाल ही में दिवंगत हुई साध्वीश्री पारसकंवरजी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते कहा कि साध्वीश्री के गुणों व योगदान को याद किया। साधना का जाति और कुल से कोई संबंध नहीं है भगवान महावीर ने चारों वर्णो को अपने शासन में समानता का दर्जा दिया है। जन्म के समय किसी के सिर पर जाति अथवा पथ नहीं लिखा होता है मानव जाति एक है उसमें भेद की दीवारें खड़ी करना महान हिंसा है। संतश्री ने कहा कि व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान होता है। जो व्यक्ति सामान्य कुल में जन्म लेकर महान काम करता है वह विश्व पूजनीय बनता है और ऊंचे कुल में जन्म लेकर निम्न कोटि का काम करता है वह नफरत का पात्र बनता है।

जैन संत ने विकृत वर्ण व्यवस्था पर करारी चोट करते कहा की एक ही व्यक्ति में चारों वर्ण विद्यमान है, व्यक्ति साधना करता है तो पंडित है, शरीर की सफाई करता है तो शुद्र है, आत्मरक्षा और देश रक्षा के लिए आगे आता है तो क्षत्रिय है और जब लेनदेन का काम करता है तो वैश्य है। मंत्री जितेश रांका ने संचालन किया। इस मौके पर शहर के नितेश भंसाली, तरुण रांका, जिया भंडारी, दीपक जैन, कासवी भंडारी, सजल कर्णावट, विधान रांका ने हर महीने स्थानक भवन में प्रथम रविवार को सकल जैन समाज के साथ मिलकर महामंत्र का सामूहिक जाप करने का संकल्प लिया। प्रवचन कार्यक्रम में मुनिश्री की प्रेरणा से गौ सेवा के लिए भी ढाई लाख रुपए की राशि एकत्रित की गई।

'डिप्रेशन डिटाक्स' विषयक कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में बुधवार को डिप्रेशन डिटाक्स' विषयक कार्यशाला का आयोजन शांतिनगर में हुआ। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने कहा कि स्वास्थ्य, सौंदर्य और संयम की प्राप्ति के लिए निरंतर श्रम और आत्मनियंत्रण आवश्यक हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए मन को सतत रूप से रचनात्मक कार्यों में संलग्न करना चाहिए तथा भावनात्मक शुद्धता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नकारात्मक विचार अधिकांश बीमारियों की जड़ हैं। मुख्य वक्ता बजरंग जैन ने कहा कि डिप्रेशन एक मनोकायिक बीमारी है, जो व्यक्ति की चेतना, भावनात्मक संतुलन और निर्णय क्षमता को प्रभावित करती है। हीन भावना, निराशा और उदासी इसके प्रारंभिक संकेत होते हैं। उन्होंने डिप्रेशन के कारणों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए उसके प्रभावी उपाय भी साझा किए। उन्होंने यह भी बताया कि इस विषय पर प्रत्येक माह तुलसी चेतना केंद्र में शिविर आयोजित किया जाता है, जिसमें न्यूनतम शुल्क पर भाग लिया जा सकता है। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने मुख्य वक्ता का सम्मान किया। अंत में तेयुप परामर्शक जितेंद्र घोषल ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु मेट्रो में बिना सहमति के महिलाओं का वीडियो बनाने पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो में यात्रा करने वाली महिलाओं की सहमति के बिना उनकी तस्वीरें खींचने और वीडियो बनाने तथा बाद में उन्हें सोशल मीडिया मंच पर अपलोड करने के आरोप में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'इंस्टाग्राम' अकाउंट पर अपलोड की गई तस्वीरें और वीडियो अब हटा दिए गए हैं। उसने बताया कि इस अकाउंट के 6,000 से अधिक फॉलोअर थे। पुलिस के अनुसार, यह मामला 20 मई को तब प्रकाश में आया जब एक पुलिस अधिकारी नियमित जांच के तहत संदिग्ध पोस्ट के लिए सोशल मीडिया मंचों की समीक्षा कर रहा था, तभी उसकी नजर इस 'इंस्टाग्राम' अकाउंट पर पड़ी, जिसमें 14 ऐसे अनचाहे वीडियो और तस्वीरें थीं, जो मेट्रो कोच और स्टेशन परिसर में ली गई थीं।

पुलिस ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भी महिला को यह पता नहीं था कि उनकी तस्वीरें खींची जा रही हैं। व्यापक प्रतिक्रिया के बाद तथा पुलिस द्वारा स्वयं मामला दर्ज किए जाने के बाद अकाउंट से सभी पोस्ट हटा दिए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी जगलासर ने बताया कि एक 'इंस्टाग्राम' पेज के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पेज पर बेंगलूरु मेट्रो का उपयोग करने वाली महिला यात्रियों की जानकारी और सहमति के बिना उनके वीडियो और तस्वीरें अपलोड की गयीं। उन्होंने कहा, आरोपी (पेज संचालक) और वीडियो बनाने वाले व्यक्ति का पता लगाने के लिए जांच जारी है। हम जल्द ही आरोपी का पता लगा लेंगे और महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में काम करेंगे।

सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में बुधवार सुबह स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल' (एसयूवी) और एक निजी बस के बीच टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई एवं 10 वर्षीय एक बालक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान बैंक प्रबंधक टी भास्करन मणिकांथन (36), उनकी पत्नी पवित्रा (34), उनके बेटे अभिराम (14) और बेटी ज्योत्स्ना (12) के रूप में हुई है। ये सभी तेलंगाना के गादीवाल के निवासी थे और एसयूवी से यात्रा कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि इस हादसे में एसयूवी चालक विकास मकानी और बस चालक बसवराज राठौड़ की भी जान चली गयी। पुलिस के अनुसार मणिकांथन का छोटा बेटा प्रवीण तेज गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि यह हादसा बसवाना बागेवाड़ी तालुका में मनागुली गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर हुआ विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) लक्ष्मण निम्बार्गी के अनुसार, सोलापुर की ओर जा रही एक महिंद्रा एसयूवी-300 अनियंत्रित होकर सड़क का डिवाइडर पार कर गयी और मुंबई से बल्लारी आ रही एक निजी बस से टकरा गई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.